

- आदिम जाति कल्याण विभाग गरियाबंद के अफसरों की उदासीनता
- अब तो देखरेख के बिना नया भवन होने लगा खण्डहर
- 10 जून 2021 को मुख्यमंत्री ने नए भवन का किया था उद्घाटन

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मुख्यालय मैनपुर में एक अनोखा मामला सामने आया है। 1966 में मैनपुर नगर में आदिवासी बालक आश्रम प्रारंभ किया गया था। फिलहाल इस बालक आश्रम का संचालन शेड वाले बेहद जर्जर भवन में किया जा रहा है।



शेख हसन खान ►► मैनपुर

भवन की हालत इतनी खराब है कि झड़ी लगी तो कमरे के भीतर पानी झरने लगता है। कक्षा पहली से आठवीं तक लगभग 100 सीटर इस आश्रम के नए भवन निर्माण के लिए मैनपुर नगर सहित क्षेत्र के



जनप्रतिनिधियों ने काफी संघर्ष और आंदोलन किया था, तब कही जाकर 1 करोड़ 62 लाख 76 हजार की लागत से देहरादून में सर्वसुविधायुक्त आश्रम भवन का निर्माण किया गया। इस आश्रम भवन का पांच साल पहले 10 जून 2021 को

►►शेष पेज 6 पर

**सोने का सच्चा भाव**  
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट = ₹114621/- (75.00%)  
22 कैरेट रेट = ₹139990/- (91.60%)  
24 कैरेट रेट = ₹152813/- (99.99%)

Live Rate आनंद ज्वेलर्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

**ANAND Jewels**  
Pandri, Raipur

## नए चीफ जस्टिस का शपथ ग्रहण और ओवेशन आज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस के आर महापात्र का शपथ ग्रहण सोमवार 7 सितंबर की दोपहर 1:30 बजे लोकभवन के छत्तीसगढ़ मंडपम रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इस से पहले नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश का रविवार को रायपुर आगमन हुआ। यहां उनका आत्मीय एवं गरिमापूर्ण स्वागत किया गया। इस अवसर



►►शेष पेज 6 पर

दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में बड़ा हादसा, 40 से 50 मलबे में दबे होने की आशंका

# 50 साल पुरानी पांच मंजिला इमारत ढही मलबे में दबे छात्र, निकाले गए 5 शव

सत्य निकेतन इलाके में रविवार दोपहर अचानक एक बहुमंजिला इमारत भरभराकर गिर गई। करीब 50 साल पुराने 5 मंजिला इमारत के ढहने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, वहीं मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई है। हादसे के वक्त बेसमेंट में रिपेयर का काम चल रहा था और इसी दौरान पूरी इमारत भरभराकर गिर गई। देर रात तक बचाव और राहत कार्य जारी रहा।

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दक्षिणी परिसर के पास सत्य निकेतन की एक संकरी गली में लड़कों के छात्रावास के रूप में इस्तेमाल हो रही 50 साल पुरानी पांच मंजिला इमारत रविवार अपराह्न ढह गई। इस हादसे में पांच व्यक्तियों की मौत हो गई जबकि कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि मलबे से अब तक छह लोगों को निकाला गया है, जिनमें से पांच को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि इमारत के मलबे के नीचे अब भी लगभग 40 से 50 लोग फंसे हो



- पीजी के रूप में इस्तेमाल हो रही थी पांच मंजिला इमारत
- देर रात तक जारी रहा बचाव और राहत कार्य

कार्यक्रम छोड़कर शाह ने हालात का लिया जायजा हादसे की जानकारी मिलते ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गोवा में चल रहे अपने कार्यक्रम को बीच में ही रोक दिया। शाह गोवा में

## केरलम, हरियाणा और यूपी के छात्र

दिल्ली पुलिस में काम करने वाले स्थानीय निवासी राजन छेत्री ने बताया कि इमारत में लगभग 15 कमरे थे। हर कमरे में दो से तीन छात्र रहते थे। यहां रहने वाले ज्यादातर छात्र केरलम, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से हैं। मुख्य रूप से मोतीलाल नेहरू कॉलेज, आत्माराम स्नातन धर्म कॉलेज और श्री वैकटेश्वर कॉलेज में पढ़ते हैं।

## इधर, कच्चा मकान ढहा, पिता और तीन बेटियों की मौत

कानपुर। कानपुर जिले के साद क्षेत्र में रविवार को एक कच्चा मकान ढहने से मलबे में दबकर एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। साद थाना क्षेत्र के हिरजी गांव में बारिश के दौरान एक परिवार का कच्चा घर ढह गया। इसमें मुकेश कुमार (45) और उनकी बेटियाँ माया (17), नीतू (सात) और पल्लवी (पाँच) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे

फाइनल में चीनी जोड़ी को दी शिकस्त

## सात्विक-चिराग ने चाइना मास्टर्स का जीता खिताब



एजेंसी ►► शेनझेन

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेड्डी की जोड़ी ने रविवार को बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट चाइना मास्टर्स में पुरुष डबल्स का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में सात्विक-चिराग ने चीन के जी तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी से खिलाफ 11-21, 21-13, 21-17 से जीत दर्ज की। सात्विक-चिराग की जोड़ी इस टूर्नामेंट में 2023 और 2025 में उपविजेता रही थी। वहीं, 2024 में इन्होंने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

एवशन मोड में पीएम मोदी

## केंद्रीय मंत्रियों के कामकाज की आज होगी समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

सरकार के विभिन्न क्षेत्रों में परफॉर्मेंस की समीक्षा के लिए कल शाम एक अहम बैठक बुलाई गई है। इसमें खास तौर पर सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण के सेक्टर पर फोकस रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में अलग-अलग मंत्रालयों, मंत्रियों और उनके समग्र प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। समीक्षा बैठक के लिए सिर्फ उन राज्य मंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों के एक वर्ग को बुलाया गया है, जिनका मंत्रालय सामाजिक न्याय और सामाजिक कल्याण से संबंधित है। जिन मंत्रालयों पर कल की बैठक में फोकस रहेगा और जिनके कामकाज की समीक्षा होगी, उसमें शिक्षा मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं

राज्यमंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठकें सरकार आने वाले दिनों में राज्यमंत्रियों के दूसरे समूह के साथ भी ऐसी बैठकें कर सकती है। इसका मकसद अलग-अलग मंत्रालयों के कामकाज को समझना है। इन बैठकों में मंत्रियों के प्रदर्शन पर चर्चा होने की वजह से इन्हें कैबिनेट में होने वाले संभावित बदलाव से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, अभी फेरबदल को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

## छग की तहसीलों में मानसून के अनूठे रंग

# तीन माह की बारिश से बलरामपुर का कुसमी हुआ लबालब तो सरगुजा के दरिमा में 'सूखा'

कुसमी में दिल खोलकर 2563 मिमी. बरसे बादल, दरिमा में केवल 367 मिमी. बरसात



## इन जिलों में कम बारिश

इसी तरह बारिश की बेरुखी का सबसे ज्यादा असर सरगुजा जिले के दरिमा में देखने को मिला। यहां जून, जुलाई, अगस्त में सबसे कम 367.2 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा बेमेतरा जिले के नवागढ़ में मात्र 382.0 मिमी वर्षा, जशपुर के तपकरा में 407, कबीरधाम के सहसपुर लोहरा में 421.4 मिमी और सुकमा के तोगपाल में 424.7 मिमी बारिश हुई है।

| तहसीलवार बारिश के आंकड़े |                    |                       |  |
|--------------------------|--------------------|-----------------------|--|
| क्षेत्र                  | कम                 | ज्यादा वर्षा (मिमी.)  |  |
| कांकेर                   | पक्षाजूर 640.1     | अंतागढ़ 1033.6        |  |
| कबीरधाम                  | सहसपुर लोहरा 421.4 | कुकदूर 864.9          |  |
| कोरबा                    | हरदीबाजार 741.0    | कोरबा 1331.5          |  |
| दत्तेवाड़ा               | कटेकल्याण 803.6    | बड़े बघेली 2047.6     |  |
| दुर्ग                    | धमथा 483           | दुर्ग 867.3           |  |
| बलौदाबाजार               | सोनाखान 748.5      | गिधौरी टुंड्रा 1132.0 |  |
| बस्तर                    | भानपुरी 581.6      | बस्तर 1012.9          |  |
| बिलासपुर                 | कोटा 750.4         | बिलासपुर 1130.6       |  |
| बेमेतरा                  | नवागढ़ 382.0       | बेरला 631.8           |  |
| राजनगढ़गांव              | धुमका 484.5        | राजनगढ़गांव 910.0     |  |
| रायपुर                   | अमनपुर 670.6       | रायपुर शहर 1379.9     |  |
| सरगुजा                   | दरिमा 367.2        | अंबिकापुर 1169.3      |  |

**ISBM UNIVERSITY**  
KNOWLEDGE • WISDOM • HUMANITY

**LAUNCH YOUR FUTURE WITH ISBM UNIVERSITY**

New Campus in Heart of Raipur - Near Nalanda Parisar - 1 Km approx.  
• Ultra Modern Campus • A.I. + M.L. Classes for All Student  
• Free Career Guidance with Prior Appointment

**CHOOSE A UNIVERSITY THAT PUTS YOU FIRST!**

**ADMISSION OPEN 2026-27**  
Hostel Facility Available Boys/Girls

**10,000+**  
Students & Alumni

**25+**  
Awards & Recognitions

**150+**  
Recruiters Network

**200+**  
National & International Conferences

**50+**  
MoUs & Tie-Ups

**750+**  
Research Publications

**20+**  
Patents

**₹2.5cr+**  
Research Fellowship

**OUR PROGRAMS**

➔ PHARMACY

➔ LAW

➔ INFORMATION & TECHNOLOGY

➔ LIBRARY & INFORMATION SCIENCE

➔ COMMERCE & MANAGEMENT

➔ JOURNALISM & MASS COMM.

➔ HOTEL MANAGEMENT

➔ INNOVATION & COMPUTING

➔ DESIGN

➔ ENGINEERING & TECHNOLOGY

➔ SCIENCE

➔ ARTS & HUMANITIES

➔ YOGA & NATUROPATHY

➔ PhD

**+919109333333, +917880170727**

➔ **Raipur Campus** - ISBM University, Ring Road No. 1, Near Sarona Bridge, Tatibandh, Raipur, Chhattisgarh- 492099

➔ **Main Campus** - ISBM University, Nawapara (Kosmi), Block & Tehsil- Chhura, Gariyaband, Chhattisgarh - 493996

[www.isbmuniversity.edu.in](http://www.isbmuniversity.edu.in)  
(SCAN QR TO VISIT WEBSITE)

# राजधानी को जलभराव से बचाने दो साल बाद भी नहीं मिले 200 करोड़

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रायपुर शहर को जलभराव या आपदा प्रबंधन के दौरान डूबने से बचाने के लिए 2024 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अर्बन फ्लड रिस्क मैनेजमेंट फेज-2 में रायपुर को शामिल किया था, इसमें शहर को जलभराव से बचाने 200 करोड़ रुपए मिलने हैं। जिसमें 90 फीसदी राशि केंद्र और 10 फीसदी राशि राज्य की होगी, लेकिन इसकी डीपीआर अभी तक फाइनल नहीं हो सकी है। नगर निगम ने पहले एक बार डीपीआर तैयार की थी, जिसे नगरीय प्रशासन विभाग ने खारिज कर विशेषज्ञों की नई कमेटी गठित की। यह टीम अभी डीपीआर तैयार कर रही है। हाल ये है कि बारिश के सीजन में इस बार भी शहर का अधिकांश हिस्सा जलभराव से प्रभावित रहा, पर 2 साल बाद भी शहर को

जलभराव से बचाने 200 करोड़ की राशि अब तक नहीं मिल पाई है। इसके चलते शहर के जलभराव के लिए चिन्हांकित 98 क्षेत्रों में इस समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं हो सका है। साथ ही इसमें से 30 फीसदी फंड की राशि प्रथम किस्त के रूप में केंद्र सरकार से मिलनी है, जो नगर निगम को नहीं मिल पाई है।

दरअसल शहरी बाढ़ जोखिम विकास प्रोजेक्ट के लिए देश के 9 चुनिंदा शहरों का चयन भारत शासन के बाढ़ आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किया गया। चयनित शहरों में भोपाल, भुवनेश्वर, गौहाटी, जयपुर, कानपुर, त्रिवेन्द्रम, पटना, विशाखापट्टनम और रायपुर शामिल रहा। केंद्र ने छत्तीसगढ़ से रायपुर शहर और उत्तरप्रदेश के कानपुर शहर के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सूत्रों के मुताबिक, 9 मई 2024 को रायपुर शहर की जलभराव की समस्या के निराकरण के लिए 220



करोड़ का प्रावधान रखते हुए 9 मई 2024 को पत्र के माध्यम से प्रस्ताव मांगा। नगर निगम ने 2 साल पूर्व इस संबंध में जोन स्तर पर सर्वे कराने के बाद शहर के ऐसे 98 संवेदनशील इलाके चिन्हांकित किए, जो जलभराव की दृष्टि से

संवेदनशील माने जाते हैं। बकायदा इन क्षेत्रों की वार्डवार सूची बनाकर समस्या के स्थायी समाधान के लिए सुझाव देते हुए प्रारंभिक स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर केंद्र को भेजा था। नगर निगम द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को अलग-अलग स्तर पर रिवाइज करने के बाद केंद्र ने 12 मई 2026 को स्वीकृति भी भेजी। रायपुर शहर में सीवेज, नालियों और गंदे पानी की समस्या दूर करने रायपुर नगर निगम फिर बड़े प्रोजेक्ट पर काम करेगा। 16वें वित्त आयोग ने रायपुर को देश उन 22 शहरों में शामिल किया है, जिन्हें वेस्ट रॉ वाटर मैनेजमेंट के लिए स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड मिलेगा। रायपुर नगर निगम के लिए अधिकतम 3500 करोड़ रुपए तक प्रोजेक्ट की सीमा है। इसमें से 60 फीसदी राशि केंद्र सरकार और 40 फीसदी राशि राज्य सरकार को देनी है। हालांकि अभी फंड की स्वीकृति नहीं मिली है। निगम पहले डीपीआर तैयार

करेगा। राज्य व केंद्र स्तर पर जांच और स्वीकृति के बाद ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू होगा, यानी अब 16वें वित्त आयोग के तहत बड़ी राशि के उपयोग के लिए नगर निगम और नगरीय प्रशासन की टीम को फिर डीपीआर तैयार करनी होगी। स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर कम्पॉनेंट में देश के 22 शहरों को शामिल किया गया है। इनमें रायपुर के अलावा पुणे, जयपुर, लखनऊ, कानपुर, नागपुर, इंदौर, भोपाल, पटना, बड़ोदरा, लुधियाना, फरीदाबाद, राजकोट, धनबाद, अमृतसर, हावड़ा, रांची, कोयंबटूर, विजयवाड़ा, जोधपुर, मदुरै सहित अन्य अन्य शहर शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट में मुख्य फोकस गंदे पानी की निकासी, ट्रीटमेंट पर रहेगा। रायपुर शहर में इससे सीवेज लाइन का नेटवर्क बढ़ाने, गंदे पानी के उपचार के लिए ट्रीटमेंट प्लांट, ड्रेनेज सिस्टम सुधारने और बारिश के पानी की निकासी से जुड़े कार्य किए जा सकते हैं।

## खबर संक्षेप

**नौकरी लगाने के नाम पर दो लाख की ढगी, गिरफ्तार**

रायपुर। शासकीय विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर दो लाख रुपए लेकर फर्जी नियुक्ति प्रमाणपत्र देने का कृष्णा अवस्थी (53) पर आरोप लगा है। मामला छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर नियुक्ति से जुड़ा है। तेलीबांधा पुलिस ने मामले में धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने सहित संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी पूर्व में किसी दूसरे मामले में जेल में बंद है। रायपुर निवासी विनोद कुमार वर्मा ने शिकायत दी थी कि अज्ञात व्यक्ति ने छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर नियुक्ति से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनका इस्तेमाल किया है। जांच के दौरान पुलिस ने कसडोल निवासी हेमंत साहू से पूछताछ की। पूछताछ में मिली जानकारी और दस्तावेजों की जांच के आधार पर कृष्णा अवस्थी का नाम सामने आया। पुलिस के मुताबिक कृष्णा ने हेमंत साहू से नौकरी लगाने के नाम पर दो लाख रुपए लिए थे।

## मेयर के खिलाफ आपतिजनक पोस्ट

रायपुर। महापौर मीनल चौबे के खिलाफ सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट करने वाली महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सोमा देवांगन को सिविल लाइंस थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में पुलिस पूर्व में एक युवक को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर चुकी है। पुलिस ने उक्त कार्रवाई भाजपा पार्षद दल के शिकायत पर की है। आरोपी की गिरफ्तारी का युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता सिविल लाइंस थाना के सामने विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे। पुलिस की समझावश के बाद युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता वापस लौटे।

## भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के लिए अब फिर से इंतजार

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने अब हर तीन माह में प्रदेश कार्यसमिति जरूरी कर दी है। ऐसे में मई में हुई कार्यसमिति के बाद अगस्त में कार्यसमिति होनी थी, लेकिन अब तक कार्यसमिति नहीं हो सकी है। अब तो इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा। इस माह 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलेगा। इसके बाद दशहरा और दीपावली के कारण कार्यसमिति संभव नहीं होगी तो ऐसे में अब दीपावली के बाद ही कार्यसमिति होने की संभावना है। इसके पहले भी डेढ़ साल तक कार्यसमिति नहीं हो सकी थी। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने अब हर माह पांच स्तर पर बैठक करने के भी निर्देश दिए हैं। इस निर्देश के बाद हर माह भाजपा की लगातार बैठकें हो रही हैं। इन बैठकों का मकसद मिशन-2028 का विधानसभा चुनाव है।

# 1374 के आयुष्मान भारत कार्ड बनाए गए, 139 कर्मियों को व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण सीवर-सेप्टिक टैंक कर्मियों की सुरक्षा और सम्मान में छग को संयुक्त रूप से पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

सीवर एवं सेप्टिक टैंक कर्मियों की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता कार्यों में मशीनीकरण को बढ़ावा देने में छत्तीसगढ़ ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार की 'नेशनल एक्शन प्लान मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम' ( नमस्ते) योजना के अंतर्गत राज्यों के प्रदर्शन की रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने संयुक्त रूप से देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ के साथ आंध्रप्रदेश, ओडिशा, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश और केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी 'नमस्ते' योजना के क्रियान्वयन में संयुक्त रूप से देश में पहले स्थान पर हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि पर क्रियान्वयन से जुड़े सभी मैदानी अमले को बधाई दी है। राज्य सरकार स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर कार्य परिस्थितियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। स्वच्छता कार्यों में मशीनीकरण को बढ़ावा देकर जोखिमपूर्ण कार्यों को समाप्त करना और स्वच्छता कर्मियों को सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण कार्य का वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्धता है।

**छत्तीसगढ़ के 1428 सीवर एवं सेप्टिक टैंक कर्मियों को PPE किट का वितरण**

कुल लाभार्थी: **1428** सीवर/सेप्टिक टैंक कर्मी

DISTRICTS COVERED: STATEWIDE

**PPE KIT: सुरक्षा और सम्मान**

सुरक्षा हेलमेट, दस्तान (chemical-resistant), सुरक्षात्मक चूड़ /Goggles, चरमा, सुरक्षा जूते

**इस तरह हुआ राज्यों का मूल्यांकन**

राज्यों में 'नमस्ते' योजना के क्रियान्वयन का मूल्यांकन 100 अंकों के निर्धारित पैमाने पर किया गया है। इसमें प्रोफाइल किए गए स्वच्छता कर्मियों के सत्यापन के लिए 20 अंक, एसयूवाय के माध्यम से मशीनीकरण के लिए 10 अंक, ईआरएसयू एवं 14420 हेल्पलाइन के संचालन के लिए 20 अंक, सामाजिक सुरक्षा कवरेज के लिए 20 अंक तथा स्वच्छता मृत्यु से संबंधित मामलों में प्रवर्तन, सुआवजा एवं जवाबदेही के लिए 30 अंक निर्धारित हैं। इसके अतिरिक्त स्वच्छता मृत्यु के मामलों में नकारात्मक अंक का भी प्रावधान है। निर्धारित मूल्यांकन मानकों के आधार पर छत्तीसगढ़ ने संयुक्त रूप से प्रथम रैंक हासिल की है।

## प्रदेश की बहनों की सेवा और सुरक्षा के लिए सदैव संकल्पित

## बस्तर की जनता जैसा विकास चाहेगी, वैसा ही होगा: मुख्यमंत्री



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि बस्तर के विकास की दिशा वहां की जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप ही तय होगी। बस्तर की जनता को किसी प्रकार के भ्रम में रहने की आवश्यकता नहीं है। सरकार क्षेत्र में कृषि, पर्यटन, पशुपालन सहित स्थानीय संभावनाओं के अनुरूप आजीविका और विकास के अवसरों को आगे बढ़ा रही है। बस्तर के लोग जैसा विकास चाहेंगे, सरकार उसी दिशा में आगे बढ़ेगी। बस्तर से जुड़े एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दशकों तक नक्सलवाद के कारण बस्तर विकास की मुख्यधारा से पीछे रहा। आज जब नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई निर्णायक मुकाम पर पहुंची है और क्षेत्र में शांति एवं विकास का नया वातावरण बना है, तब कुछ लोग बस्तर की जनता के बीच यह भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं कि नक्सलवाद को समाप्त करने के पीछे सरकार का उद्देश्य बड़े उद्योगों के लिए रास्ता तैयार करना है।

## संभावनाओं को अवसरों में बदलने सरकार कर रही काम

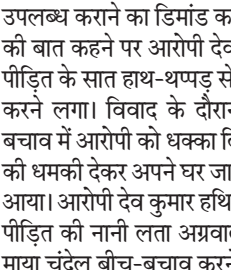
श्री साय ने कहा कि बस्तर में कृषि को सशक्त करने, पशुपालन को बढ़ावा देने और पर्यटन की अपार संभावनाओं को अवसरों में बदलने की दिशा में सरकार निरंतर काम कर रही है। शांति स्थापित होने के साथ अब दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास पहुंच रहा है और स्थानीय युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। हमारा प्रयास है कि बस्तर अपनी विशिष्ट पहचान और समृद्ध संस्कृति को संजोते हुए विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचे।

## मिलाई तीन थाना क्षेत्र की घटना

## नशे का सामान मांगा नहीं मिलने पर दो महिलाओं पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज ►► मिलाई

नशे का सामान का डिमांड कर रहे युवक को नहीं मिलने पर दो महिलाओं पर धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि देवबलोदा बाजार चौक निवासी विजय कुमार रात्रे ने शिकायत किया है कि अपने इयूटी से वापस लौटते समय रात 10 बजे उमेश अग्रवाल के साथ बाजार चौक में बैठा था। तभी गांव का देवकुमार ठाकुर पहुंचा। गांजा उपलब्ध कराने का डिमांड करने लगा। गांजा नहीं रखने की बात कहने पर आरोपी देवकुमार विवाद करने लगा। पीड़ित के सात हाथ-थपड़ से मारपीट कर गाली गलौज करने लगा। विवाद के दौरान पीड़ित व उसके साथी बचाव में आरोपी को धक्का दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर अपने घर जाकर धारदार हथियार लेकर आया। आरोपी देव कुमार हथियार लहराते धमकी देने पर पीड़ित की नानी लता अग्रवाल, मां सरस्वती रात्रे,बहन माया चंदेल बीच-बचाव करने पहुंचीं।



उपलब्ध कराने का डिमांड करने लगा। गांजा नहीं रखने की बात कहने पर आरोपी देवकुमार विवाद करने लगा। पीड़ित के सात हाथ-थपड़ से मारपीट कर गाली गलौज करने लगा। विवाद के दौरान पीड़ित व उसके साथी बचाव में आरोपी को धक्का दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर अपने घर जाकर धारदार हथियार लेकर आया। आरोपी देव कुमार हथियार लहराते धमकी देने पर पीड़ित की नानी लता अग्रवाल, मां सरस्वती रात्रे,बहन माया चंदेल बीच-बचाव करने पहुंचीं।

## ‘पुष्पा’ फिल्म स्टाइल में उदंती नदी के सहारे सागौन तस्करी की साजिश बेनकाब

हरिभूमि न्यूज ►► मैतपुर

सुपरहिट फिल्म 'पुष्पा' की तर्ज पर गरियाबंद जिले के उदंती-सौतानदी टाइगर रिजर्व से सागौन की अवैध तस्करी का एक अनुत्त मामला सामने आया है। तस्करी ने नदी के बहाव और लकड़ी की बेड़ी बनाकर सागौन को पड़ोसी राज्य ओडिशा भेजने की योजना बनाई थी, जिसे वन विभाग की सतर्कता और स्मार्ट सर्विलांस ने समय रहते फेल कर दिया। इस अंतरराष्ट्रीय तस्करी के खुलासे के बाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि तीन अन्य परार आरोपियों की सरगमी से तलाश जारी है। मामले की शुरुआत 22 अगस्त को हुई, जब उत्तर उदंती परिषद के कुरुभाटा बीट

# नक्सली डंप में 9 एमएम पिस्टल, 30 किलो विस्फोटक सहित अन्य सामग्री हुई बरामद

## आत्मसमर्पित माओवादियों की निशानदेही पर चला अभियान

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

जिले में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत पुलिस को एक और बड़ी और महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। थाना मर्दापाल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पुसपाल मोखामारी के जंगल-पहाड़ी इलाके में आत्मसमर्पित माओवादियों की निशानदेही पर सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए हथियारों, भारी मात्रा में विस्फोटक और अन्य साजो-सामान का एक बड़ा डम्प बरामद किया है।

संयुक्त सुरक्षा टीम ने सर्चिंग के दौरान 1 नग 9 एमएम पिस्टल, करीब 30 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, डेटोनेटर, जिलेटिन, वॉकी-टॉकी समेत भारी मात्रा में नक्सली सामग्री जब्त की है। जनसुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए टीम ने मौके पर ही करीब 10 किलोग्राम वजन वाले टिफिन आईईडी को बम निरोधक दस्ता की मदद से पूरी तरह



सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा जंगलों और पहाड़ी इलाकों में छिपाकर रखे गए हथियारों और आईईडी की टोह लेने तथा उनकी बरामदगी के लिए लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में 5 सितंबर को आत्मसमर्पित माओवादियों से महत्वपूर्ण खुफिया इनपुट प्राप्त हुए थे। कार्रवाई के लिए नक्सल सेल, जिला रिजर्व गार्ड , बस्तर फाइटर्स और बीडीएस की एक संयुक्त टास्क फोर्स गठित की गई।

## सर्चिंग में हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा

सघन सर्चिंग के दौरान ग्राम पुसपाल मोखामारी के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों के एक गुप्त ठिकाने का पता चला, जहां भारी मात्रा में सामग्री डंप करके रखी गई थी। बरामद की गई सामग्री में अत्याधुनिक हथियारों के साथ-साथ आईईडी और विस्फोटक तैयार करने के काम आने वाले कई खतरनाक उपकरण शामिल हैं।

## मौके पर ही नष्ट किया गया टिफिन आईईडी

बरामद की गई खतरनाक सामग्रियों में शामिल लगभग 10 किलोग्राम वजन की टिफिन आईईडी को इलाके की सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए बीडीएस टीम ने बेहद कड़े सुरक्षा मापकों का पालन करते हुए मौके पर ही नियंत्रित धमाके के साथ नष्ट कर दिया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने डी-माइनिंग पूरी की।

## ओडिशा तक फैला था नेटवर्क

मुख्य आरोपी गिरफ्तार

छानबीन का दायरा बढ़ाने पर इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में ओडिशा निवासी शोभाचंद नायक की संलिप्तता सामने आई। गरियाबंद पुलिस के सहयोग से उसे भी धर दबोचा गया। विभाग के अनुसार, शोभाचंद पहले भी वन अपराध के मामलों में वांछित रहा है। मुख्य आरोपियों की निशानदेही पर भोजलाल नागेश के घर से हाथ आरे और टिफिन की गई साल का लकड़ी के साथ नदी में छिपाए गए सागौन के लट्ठे भी बरामद किए गए। दूसरे आरोपी गंगाराम से जुड़े मामले में करीब 0.95 घनमीटर सागौन का लट्ठ जप्त किया गया है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गरियाबंद के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।



# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



## तीज 14 को, सज गया बाजार, छग में 700 करोड़ तक पहुंचेगा साड़ियों का कारोबार

प्रदेशभर के कपड़ा बाजार खासकर साड़ियों की दुकानों में रौनक

हरिभूमि न्यूज ॥ रायपुर



छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े त्योहार तीजा के लिए बहनों को साड़ी देने के लिए भाई और उनके परिवार वाले राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश भर के छोटे से लेकर बड़े शहरों में साड़ियों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। अब तो महंगी साड़ियों का भी ॥शेष पेज 6 पर

### तीजा छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा त्योहार

तीजा छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा त्योहार है। इसके लिए पंडरी कपड़ा बाजार के साथ प्रदेश भर में जमकर खरीदारी हो रही है। 700 करोड़ के कारोबार की संभावना है। रायपुर में ही 400 करोड़ से ज्यादा कारोबार होने का अनुमान है। -चंदर विदानी, संरक्षक पंडरी कपड़ा बाजार एसोसिएशन

### रायपुर में सबसे ज्यादा कारोबार

प्रदेश में कपड़ों का सबसे बड़ा बाजार पंडरी रायपुर में है। यहां पर साड़ियों की सबसे ज्यादा दुकानें हैं। इन दुकानों में जहां थोक में बिक्री होती है, वहीं रिटेल में भी कारोबार होता है। ऐसे में पंडरी कपड़ा बाजार में इस समय तीजा की जमकर खरीदारी हो रही है। कारोबारियों की मानें तो प्रदेश में तीजा पर साड़ियों का सात सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार होगा। इसमें से चार से साढ़े चार सौ ॥शेष पेज 6 पर

### महंगी साड़ियों का केज ज्यादा

कारोबारियों के मुताबिक इस समय महंगी साड़ियों का बड़ा केज है। मध्यम वर्ग भी तीजा पर बहनों को महंगी साड़ियां देने के लिए खरीदारी कर रहा है। अच्छी साड़ियों की शुरुआत 800 से लेकर पांच हजार तक है। इससे ज्यादा वाली साड़ियों भी हैं। दस हजार से ज्यादा महंगी साड़ियां भी हैं। वर्क वाली साड़ियों की बड़ी डिमांड है। ये साड़ियां पहले दस हजार से कम की नहीं आती थी, लेकिन अब इसकी शुरुआती कीमत हजार रुपए हो गई है। ऐसे में मध्यम वर्ग परिवार भी वर्क वाली हजार रुपए और इसके ज्यादा कीमत वाली साड़ियां ले रहे हैं। तीजा साल में एक बार आता है, ऐसे में मध्यम वर्गीय परिवार की भी ॥शेष पेज 6 पर

## सागर जहरीली शराब कांड : मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

# शराब पीने के बाद अकड़ने लगे हाथ पैर, शरीर पड़ गया नीला, 14 की मौत

मप्र के सागर जिले के बंडा अनुविभाग के ग्रामीण इलाकों में सदिविध जहरीली शराब ने तबाही मचा दी है। अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सबसे ज्यादा असर ग्राम नौराज और घूघरा खुर्द में देखने को मिला है। दो लोग शराब पीकर घर लौटे

थे। कुछ देर बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। हाथ-पैर अकड़ने लगे और वे दर्द से तड़पते हुए माथे पर हाथ मारने लगे। कुछ ही देर में शरीर पर नीले निशान दिखाई देने लगे और अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई।

### उत्तरप्रदेश से तस्करी का संदेह, चार अन्य की हालत गंभीर

‘काका हाथ-पैर पटकने लगे... शरीर पर पड़ गए नीले निशान’

नौराज निवासी दिविविजय लोधी (28) और करतार लोधी (30) की मौत के बाद गांव में मातम पसर रहा है। दोनों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है। मृतक करतार लोधी की मंतीजी ने उस रात की घटना बताते हुए कहा कि काका शराब पीकर घर लौटे थे। कुछ देर बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। हाथ-पैर अकड़ने लगे और वे दर्द से तड़पते हुए माथे पर हाथ मारने लगे। परिजनों के अनुसार, कुछ ही देर में शरीर पर नीले निशान दिखाई देने लगे।

### गलियों में बिखरी बोटलें

नौराज की चौपालों और तंग गलियों में पहुंचने पर जगह-जगह देशी शराब की खाली बोटलें और क्वाटर बिखरे दिखाई दिए। गांव में लोग झुंड बनाकर बैठे मिले, लेकिन खीफ के कारण कोई भी कैमरे के सामने खुलकर बोलने को तैयार नहीं हुआ। हालांकि, कुछ ग्रामीणों ने दबी जुबान में बताया कि गांव में लंबे समय से गली-गली अवैध देशी और कच्ची शराब बेचे जाने की बात सामने आती रही है।



### विपक्ष ने उठाए सवाल

मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघाने ने दावा किया कि सागर में जहरीली-अवैध शराब ने 11 लोगों की जान ले ली है तथा 25 से अधिक लोग अस्पताल में ज़िंदगी और मौत से जुझ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। सिंघाने ने एक बयान में कहा, यह सिर्फ हादसा नहीं, बल्कि सरकार की नाक के नीचे चल रहे अवैध शराब के कारोबार और प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर सवाल है।

हरिभूमि न्यूज ॥ सागर

सागर जिले की बंडा तहसील में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात जहरीली शराब पीने से अब तक 14 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य की हालत गंभीर है। मामले की शुरुआती जांच में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से शराब की तस्करी की बात सामने आई है। सागर की जिलाधिकारी प्रतिभा पाल ने बंडा में संवाददाताओं से कहा,

■ कांग्रेस ने आज तड़के चार बजे यह मामला संज्ञान में आया। इसमें अब तक 14 लोगों की मौत हुई है। शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। हमारा विशेष ध्यान इस

बात पर है कि यदि अन्य लोग भी इसकी चपेट में आए हैं, तो उनकी जांच कराकर उनका उपचार किया जाए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की जांच का आदेश देते हुए कहा कि सरकार इसमें सख्त कार्रवाई करेगी। वहीं, कांग्रेस ने पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच की मांग की है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि उत्तर प्रदेश के ललितपुर से जहरीली शराब यहां लाई गई।

## भारत-बांग्लादेश सीमा पर 17.40 करोड़ का सोना जब्त

बीएसएफ की कार्रवाई, बांग्लादेशी तस्करी गिरफ्तार



एजेंसी ॥ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तेनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गश्ती टीम ने एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा है। उसके कब्जे से तस्करी कर लाए गए 17.40 करोड़ रुपए मूल्य के सोने के बिस्कुट बरामद हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शनिवार शाम नदिया जिले की हलदरागाड़ा सीमा चौकी के पास हुई। इस क्षेत्र की सुरक्षा बीएसएफ की 32वीं बटालियन करती है। अधिकारियों ने बताया कि पांच सितंबर को बांग्लादेशी नागरिक से कुल 89 सोने के बिस्कुट बरामद किए गए जिनका वजन 11.28 किलोग्राम से अधिक और कीमत 17.40 करोड़ रुपए थी।

### हिरासत में आरोपी

सोने की इतनी बड़ी खेप बरामद होने के बाद बीएसएफके अधिकारियों और जवानों ने तुरंत उस बांग्लादेशी नागरिक को अपनी कस्टडी में ले लिया। प्राथमिक पूछताछ और शुरुआती कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद बीएसएफ ने आरोपी तस्करी और बरामद किए गए सोने के बिस्कुटों को आगे की जांच के लिए राजस्व गुप्तचर निदेशालय के अधिकारियों को सौंप दिया है। अब डीआरआई की टीम इस बात का पता लगा रही है कि सोने की इतनी बड़ी खेप को भारत में किस सिडिकेट तक पहुंचाया जाना था और इसके पीछे कौन-कौन से बड़े तस्करी शामिल हैं।

### बीएसएफ की रणनीति

पश्चिम बंगाल से लगती भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा पार से होने वाले अपराधों, घुसपैठ और खासकर सोने की तस्करी को रोकने के लिए बीएसएफ ने व्यापक रणनीति बनाई है। बीएसएफकी 32वीं बटालियन ने अपने इलाकों में विशेष सतर्कता टीमों और एंटी-स्मगलिंग दस्तों की तैनाती कर रखी है। ये टीमें दिन-रात सीमावर्ती इलाकों में गश्त करती हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखती हैं।

### तीन साल में जब्त किया 120 किलो सोना

आंकड़ों पर नजर डालें तो सीमा सुरक्षा बल की इस बटालियन का तस्करी के खिलाफ रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, अगस्त 2023 से लेकर अब तक के आंकड़ों को देखें तो अकेले इसी बटालियन ने सीमावर्ती इलाकों से कुल 120 किलोग्राम से भी ज्यादा सोना जब्त किया है। सीमा पर लगातार की जा रही कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए इस पौले धातु की कुल बाजार कीमत 100 करोड़ रुपए से भी अधिक है।

## इसरो के भविष्य पर कर्मचारियों की चिंता, चेयरमैन से मांगी ‘गारंटी’

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नौ कर्मचारी संगठनों ने अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिख कर विनिर्माण और परिचालन कार्यों को निजी कंपनियों को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव पर आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा है। कर्मचारी संगठनों ने चार सितंबर को लिखे गए ॥शेष पेज 6 पर



### इसरो की प्रौद्योगिकी को बताया राष्ट्रीय संपत्ति

पत्र में कहा गया है, इसरो द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय संपत्ति है। इसका हस्तांतरण पारदर्शी एवं जवाबदेह होना चाहिए तथा यह रणनीतिक, सुरक्षा और रोजगार संबंधी पहलुओं के अनुरूप होना चाहिए तथा कर्मचारियों को इसकी जानकारी समाचार पत्रों की खबरों के जरिये नहीं मिलनी चाहिए।

### इसरो ने कहा- नहीं होगा निजीकरण

इसरो, इसरो ने रविवार को साफ किया कि उसका न तो निजीकरण किया जाएगा और न ही अंतरिक्ष क्षेत्र में उसकी भूमिका या अहमियत कम की जाएगी। इसरो ने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने का उद्देश्य संगठन की भूमिका को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसे भविष्य की अत्याधुनिक अंतरिक्ष तकनीकों और बड़े मिशनों पर ज्यादा ध्यान देने का मौका देना है। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर एक पोस्ट में कहा कि निजी कंपनियों के अंतरिक्ष क्षेत्र में आने से इसरो अपना ध्यान भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की अगली पीढ़ी की तकनीकों पर केंद्रित कर सकेगा।

## दुखद संयोग : झारखंड में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदित्य का निधन

# साढ़े तीन साल में तीन शिक्षा मंत्रियों ने छोड़ी दुनिया

एजेंसी ॥ रांची

झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता सुदित्य कुमार सोनू के रविवार सुबह आकस्मिक निधन के साथ राज्य की राजनीति में एक अस्मान्य और दुखद संयोग जुड़ गया है। पिछले करीब साढ़े तीन वर्षों में झारखंड सरकार के शिक्षा विभाग से जुड़े तीन मंत्रियों गंगान्ध्य महतो, रामदास सोरेन और सुदित्य कुमार सोनू का निधन हो चुका है।



जगन्नाथ महतो 6 अगस्त 2023

रामदास सोरेन 15 अगस्त 2025

सुदित्य कुमार 6 सितंबर 2026

### मंत्री अंसारी का भी हुआ था निधन

इससे पहले अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रहे हाजी साहब (73) बुजुर्गवार थे। वो कोरोना से पीड़ित हुए, ठीक हुए और फिर हार्ट अटैक से चल बसे। उनकी जगह उनके बेटे हर्षाजुग हसन मंत्री बने फिर मधुपुर से उपचुनाव जीता।

## दिल्ली में सुरक्षा चाक-चौबंद

# ब्रिक्स सम्मेलन 12 से, कई देशों के जुटेंगे राष्ट्राध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ॥ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को भारत मंडपम में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण आयोजन में ब्रिक्स सदस्य एवं साझेदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ आउटरीच देशों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भी हिस्सा लेंगे।

### नई दिल्ली की बदलेगी तस्वीर

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले नई दिल्ली इलाके को आकर्षक और व्यवस्थित बनाने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने भी बड़े पैमाने पर सौंदर्यीकरण और स्ट्रीटस्केप सुधार का काम शुरू किया है। सड़कों की मरम्मत से लेकर फुटपाथ और सार्वजनिक स्थलों को बेहतर बनाने तक के काम किए जा रहे हैं।



## विकसित भारत का संकल्प पूरा होकर रहेगा : नवीन

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को प्रधानमंत्री के बयान का समर्थन करते हुए विपक्ष पर तीखा निशाना साधा। नितिन



जताता है। कांग्रेस ने रविवार को पीएम मोदी के नाराज फूफा वाले बयान पर पलटवार किया है इसके बाद भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि भारत विकास कर रहा है तो उन्हें नाराजगी होती है।



### खबर संक्षेप

### हाइड्रोजन ट्रेन की 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

इंदौर। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने रविवार को कहा कि देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को अधिकतम 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से परिचालित करने का प्रयास किया जा रहा है। अन्य रेल खंडों पर भी इसके संचालन को लेकर विचार किया जा रहा है।

### एफबीआई का वांछित जालंधर में गिरफ्तार

जालंधर। अमेरिका की सरकारी योजनाओं में कथित तौर पर धोखाधड़ी करने वाले और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की वांछित सूची में शामिल एक व्यक्ति को पंजाब पुलिस ने जालंधर में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। अमेरिकी नागरिका हासिल करने वाले मनजीत सिंह बेदी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए इस साल अप्रैल में अमेरिका छोड़ दिया था और कनाडा के रास्ते भारत आ गया।

### जीएसटी परिषद की बैठक अब सात अक्टूबर को नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर परिषद की 12 सितंबर को होने वाली बैठक अब सात अक्टूबर को होगी। यह बदलाव ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के कारण किया गया है। भारत 12 और 13 सितंबर को नयी

दिल्ली में वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। सम्मेलन में पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभाव सहित कई महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

ट्रक और ऑटो की टक्कर में पांच की गई जान संभल। उत्तर प्रदेश के संभल के बहजौड़ क्षेत्र में ट्रक की जोरदार टक्कर लगने से ऑटो सवार पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में छह अन्य घायल हो गए। मृतकों में ऑटो चालक सोदान सिंह (40), रूवेद (30), ध्रुव (छह), सरवाध्या (चार माह) तथा एक अज्ञात व्यक्ति है। मुरादाबाद-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बम्बेदा गांव के पास एक ऑटो में कुछ लोग जा रहे थे।

### कार की टक्कर से परिवार के तीन सदस्यों की मौत त्रिशूर। केरलम के त्रिशूर जिले में एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान एडवकडियूर निवासी मुनीर (35), शिफना (24) और उनके तीन वर्षीय बेटे एमिल ऐबक के रूप में हुई है। यह हादसा तब हुआ जब अपने परिवार के साथ मोटोसाइकिल से जा रहे मुनीर को कार ने टक्कर मार दी।

दिल्ली में वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। सम्मेलन में पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभाव सहित कई महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

ट्रक और ऑटो की टक्कर में पांच की गई जान संभल। उत्तर प्रदेश के संभल के बहजौड़ क्षेत्र में ट्रक की जोरदार टक्कर लगने से ऑटो सवार पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में छह अन्य घायल हो गए। मृतकों में ऑटो चालक सोदान सिंह (40), रूवेद (30), ध्रुव (छह), सरवाध्या (चार माह) तथा एक अज्ञात व्यक्ति है। मुरादाबाद-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बम्बेदा गांव के पास एक ऑटो में कुछ लोग जा रहे थे।

कार की टक्कर से परिवार के तीन सदस्यों की मौत त्रिशूर। केरलम के त्रिशूर जिले में एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान एडवकडियूर निवासी मुनीर (35), शिफना (24) और उनके तीन वर्षीय बेटे एमिल ऐबक के रूप में हुई है। यह हादसा तब हुआ जब अपने परिवार के साथ मोटोसाइकिल से जा रहे मुनीर को कार ने टक्कर मार दी।

## चिंतन

# नियमों की अनदेखी जवाबदेही किसकी

दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला हॉस्टल का भरभराकर गिरना महज एक इमारत के ढहने की घटना नहीं है। यह उस जर्जर व्यवस्था पर बड़ा सवाल है, जो हादसे के बाद तो पूरी ताकत से सक्रिय दिखाई देती है, लेकिन हादसे से पहले खतरे को पहचानने में अक्सर नाकाम रहती है। दो छात्रों की मौत और कई लोगों के घायल होने के बाद राहत-बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन असली सवाल मलबे से कहीं बड़ा है। आखिर इमारत गिरी क्यों और इसे गिरने से पहले रोका क्यों नहीं जा सका? प्रारंभिक जांच में नवीनीकरण और बेसमेंट में चल रहे काम से इमारत के निचले हिस्से के कमजोर होने की आशंका सामने आई है। इनमें नियमों की अनदेखी की गई। अब यह जवाबदेही किसकी है। अगर भवन में नवीनीकरण या बेसमेंट की खुदाई चल रही थी तो उसकी सुरक्षा जांच किसने की? क्या काम के दौरान भवन की संरचनात्मक प्रकृवृत्ती का आकलन किया गया? क्या आसपास की इमारतों पर पड़ने वाले संभावित खतरों को देखा गया? गंभीर बात यह है कि सत्य निकेतन में यह पहला हादसा नहीं है। वर्ष 2022 में भी इसी इलाके में नवीनीकरण के दौरान तीन मंजिला मकान का हिस्सा गिरने से दो लोगों की मौत हुई थी। हादसे के बाद भी जांच और कार्रवाई की बातें हूँ थों। चार साल बाद फिर उसी इलाके में बहुमंजिला इमारत का गिरना बताता है कि पुराने हादसे से मिले सबक कितने कमजोर साबित हुए। सवाल यह है कि क्या इस बीच यहां के पीजी, हॉस्टल और नवीनीकरण वाली इमारतों का कोई सुरक्षा सर्वे हुआ? इससे पहले भी राष्ट्रीय राजधानी में होटल में आगजनी, कोचिंग सेंटers में हादसे और बुराड़ी में इमारत गिरने से कई लोगों की मौत के मामले सामने आ चुके हैं। सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास का प्रमुख छात्र इलाका है। बड़ी संख्या में छात्र यहां पीजी और किराये के कमरों में रहते हैं। ऐसे में एक छोटी सी संरचनात्मक चूक बड़ी त्रासदी में बदल सकती है। फिर भी सवाल यही है कि प्रशासन के पास ऐसे पवनों का अद्यतन रिकॉर्ड और उसकी सुरक्षा या अप्रकृत निगरानी कितनी प्रभावी है? यह समस्या सिर्फ सत्य निकेतन की नहीं है। दिल्ली में समय-समय पर इमारतों के गिरने की घटनाएं सामने आती रही हैं। हर हादसे के बाद अवैध निर्माण, कमजोर ढांचे और प्रशासनिक लापरवाही की चर्चा होती है। कुछ समय बाद जांच की फाईलें ठंडी पड़ जाती हैं और शहर उसी ढांचे पर लौट आता है। यही सबसे खतरनाक स्थिति है। हादसे के बाद दमकल, पुलिस, आपदा प्रबंधन और बचाव दलों का तेजी से मौके पर पहुंचना जरूरी है, लेकिन सरकार की असली परीक्षा मलबे में फंसे लोगों को निकालने से पहले शुरू होती है। क्या उसने उभरे खतरे को पहचाना था, जिसे समय रहते टाला जा सकता था? आपदा प्रबंधन जरूरी है, लेकिन आपदा रोकना उससे कहीं बड़ी जिम्मेदारी है। अब जरूरत केवल इस इमारत की जांच की नहीं है। दिल्ली के सभी प्रमुख छात्र इलाकों में पीजी, हॉस्टल और बहुमंजिला इमारतों का विशेष संरचनात्मक सर्वे होना चाहिए। जहां बेसमेंट की खुदाई, बड़े स्तर पर नवीनीकरण या अनधिकृत निर्माण हो रहा है, वहां तत्काल तकनीकी जांच जरूरी है। जांच में यदि भवन मालिक, ठेकेदार या किसी तकनीकी विशेषज्ञ की लापरवाही सामने आती है तो कार्रवाई हो। यदि निगरानी करने वाले विभाग की चूक मिलती है तो अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय हो। जवाबदेही उस व्यवस्था की भी होनी चाहिए, जिसने खतरों को समय रहते रोकने का काम नहीं किया।

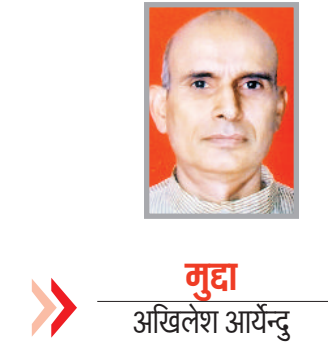
## मंथन ज्ञानेन्द्र रावत



# पूरे हिमालय क्षेत्र की साझा चेतावनी है नेपाल त्रासदी

बीती 26 सितंबर की अल-सुबह तिब्बत सीमा से लगे नेपाल के रसुवा जिले में आए सैलाब के तांडव की चपेट से थादिंग, नुवाकोट, गोरखा, तनहुँ, नवरपासी और चितवन समेत तमाम निचले इलाकों के हजारों घर, दफ्तर, बाजार का अस्तित्व मिट गया। वहां सड़कों का अता-पता नहीं है। करोड़ों-अरबों के आर्थिक नुकसान का अनुमान है। अभी तक 1127 से ज्यादा लोगों की मौत हुई हैं। उनकी पहचान प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। चार हजार आठ सौ अग्रवान से ज्यादा की तादाद में लोग और 583 विदेशी पर्यटक अभी भी लापता हैं, जबकि 315 पर्यटक बचा लिए गए हैं। अभी तक 756 से ज्यादा लोगों को बचाव दल द्वारा बचा लिया गया है। 290 मानसरोवर जाने वाले यात्रियों की तलाश जारी है। वहां अस्पतालों में शवों के रखने की जगह कम पड़ने के बाद शवों को बाहर टैटों में रखना पड़ रहा है। भोटेकोशी और त्रिशूली घाटियों में स्थित 14 पनबिजली परियोजनाएं पूरी तरह तबाह हो गई हैं, परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। नेपाल, चीन और भारत के हजारों राहतकर्मी बचाव कार्य में लगे हैं। नदी के तेज बहाव के बीच दुर्गम हालात में बचाव कर्मियों के साहस की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। नेपाल में यह सैलाब कैसे आया, इस बाबत अलग-अलग वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। सच्चाई यह है कि न तो उस वक्त नेपाल में तेज बारिश हुई, न मौसम ही खराब था लेकिन इस जलजले ने वहां सब-कुछ तबाह कर दिया। कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि हिमस्खलन द्वारा तिब्बत के केरूंग इलाके में लैंडे स्नो की अवरुद्ध करने से नदी में झील का निर्माण हुआ और भारी मात्रा में उसमें पानी जमा हो गया। जब यह हिमनद फटा तो भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में बाढ़ आ गयी। दूसरी ओर भूवैज्ञानिक मानते हैं कि गोसाईं कुंडा से 47 किलोमीटर उत्तर में तिब्बती इलाके में उस दिन सुबह 8.37 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। इससे नदी में बनी झील का बांध टूट गया। इस दृष्टिकोण को नेपाल के विदेश मंत्री भी स्वीकारते हैं। कुछ इसके पीछे ग्लेशियर झील के फटने, कुछ बर्फ के पिघलने से या हिमस्खलन से अचानक नदी में बाढ़ आने, कुछ तिब्बत के पठारी इलाके में भारी बारिश आने से नदी के जलस्तर बढ़ने से आयी बाढ़ आने और कुछ रसुवा जिले में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर ग्लेशियर के फटने और उसके हिस्से टूटकर गिरने और अपने साथ मलबा बहाकर लाने को इस जल प्रलय की असली वजह मानते हैं। इसमें दो राय नहीं है कि समूचा हिमालयी क्षेत्र गंभीर पारिस्थितिकी संकट से जूझ रहा है। पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय परिस्थितजन्य स्थितियों से जुड़े संकट का मौजूदा हालात में केवल नेपाल ही नहीं, समूचा हिमालयी क्षेत्र सामना कर रहा है। यह पहाड़ों पर विकास और पर्यावरण के बीच असंतुलन का ही दुष्परिणाम है। यह गंभीर मामला है। विकास को राहत उपायों के साथ संतुलित किए जाने की बेहद जरूरत है। मानव ने प्रकृति में इतना अधिक हस्तक्षेप किया है जिसका प्रकृति अब हमें जवाब दे रही है। हिमालय के हादसे बता रहे हैं कि हिमालय क्षेत्र में सब ठीक नहीं चल रहा है। इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की अनदेखी समझ से परे है। ऐसे समय जब समूची दुनिया बढ़ते तापमान के कहर से त्रस्त है और जब इस इलाके में मौसमी विभीषिका विकराल रूप ले रही हैं, तब ये आपदायें इस क्षेत्र में तमाम खतरों की संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं और हिमालय की नाजुक ढलान, घाटियों में मानवीय तथा निर्माण गतिविधियों के प्रति सावधान करती हैं। नेपाल में जिस तरह कुदरत का कहर बरपा है, उससे न सिर्फ शासन तंत्र को, बल्कि समाज को भी सबक लेने की जरूरत है। यह भी कि हिमालयी अंचल में विकास योजनाओं के निर्माण के समय क्या-क्या सावधानियां करती जानी चाहिए। हमारी ज़िद ही हमें इस इलाके में मैदानी क्षेत्र की तरह विकास करने की ओर ले जाती है। यही वजह है कि यह पर्वत शृंखला जो हमारे लिए ही नहीं, समूचे क्षेत्र के लिए परदाज है, हमारा साथ छोड़ रही है। बीते दशक की आपदाएं चंतावनी हैं जिन्हें समझना और उन पर अमल बेहद जरूरी है। इसलिए अभी भी समय है कि सभी हिमालयी देशों को इसके मूल चरित्र को समझते हुए इसके संरक्षण हेतु आगे आना होगा। ऐसे हालात में इस अति संवेदनशील इलाके में एक साझी पर्यावरणीय दृष्टि विकसित करने, भारत, चीन, नेपाल, भूटान और तिब्बत क्षेत्र के बीच वैज्ञानिक संस्थाओं और आपदा प्रबंधन तंत्र विकसित किए जाने की जरूरत है जो एक साथ अति वृष्टि, भूस्खलन, ग्लेशियरों के पिघलने, ग्लेशियर झीलों के टूटने, पर्माफ्रस्ट से होने वाले नुकसान पर अंकुश लगा सके।

( लेखक स्वर्ण प्रकाश और पर्यावरणविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



## मुद्दा अखिलेश आर्येन्दु

भारत की मेजबानी में होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल एक अंतरराष्ट्रीय बैठक नहीं है। भारत के सामने इस बात की परीक्षा भी है कि भारत कितनी कुशलता से परस्पर विरोधी हितों वाले देशों को एक साझा मंच पर ला सकता है। इस समय ब्रिक्स में भारत के अलावा ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया है। इंडोनेशिया इसका 2025 में सदस्य बना। लगातार विस्तार से ब्रिक्स की प्रार्संगिकता लगातार बढ़ रही है और भूमिका व महता भी। अब इसमें लैटिन एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और लैटिन अमेरिका जैसी बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाएं एक साथ हैं। ब्रिक्स को अब केवल आर्थिक संगठन के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा।

# ब्रिक्स व बदलती दुनिया में भारत की भूमिका

ब्रिक्स के गठन के बाद से ही पश्चिम एशिया और खासकर खाड़ी देशों में इसकी भूमिका और कूटनीतिक कवायदों को लेकर चर्चा होने लगी थी। खासकर विस्तारित ग्यारह देशों के इस समूह की दुनिया के देशों खासकर खाड़ी देशों में इसकी कूटनीतिक भूमिका पर। अब जबकि दुनिया में इस समय महज आर्थिक बदलाव का दौर नहीं चल रहा है, इसकी भूमिका और भारत के सामने अवसर को लेकर चर्चा तेज हो गई है। गौरतलब है कि दुनिया इस वक्त महज आर्थिक और सांस्कृतिक दौर से नहीं गुजर रही है, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन के पुनर्गठन का दौर भी चल रहा है। पश्चिमी देशों के नेतृत्व वाली पुरानी संस्थाओं के सामने समानांतर ग्लोबल साउथ अपनी आवाज अधिक प्रभावी बनाने की कोशिश में लगा है। ऐसे समय में भारत की मेजबानी में होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल एक अंतरराष्ट्रीय बैठक नहीं है।

भारत के सामने इस बात की परीक्षा भी है कि भारत कितनी कुशलता से परस्पर विरोधी हितों वाले देशों को एक साझा मंच पर ला सकता है। इस समय ब्रिक्स में भारत के अलावा ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया है। इंडोनेशिया इसका 2025 में सदस्य बना। लगातार विस्तार से ब्रिक्स की प्रार्संगिकता लगातार बढ़ रही है और भूमिका व महता भी। अब इसमें लैटिन एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और लैटिन अमेरिका जैसी बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाएं एक साथ हैं।

यही वजह है कि ब्रिक्स को अब केवल आर्थिक संगठन के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह वैश्विक दक्षिण के राजनीतिक और आर्थिक समन्वय का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों को सामने रख सकता है- वैश्विक आर्थिक और आपूर्ति-व्यवस्था बनाना जो युद्ध, महामारी, ऊर्जा संकट और व्यापारिक व्यवधानों से प्रभावित न हो। दूसरा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नई तकनीकों में सहयोग करना। तीसरा है-विकासशील देशों के बीच व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक में सहयोग बढ़ाना और चौथी प्राथमिकता जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, खाद्य, ऊर्जा सुरक्षा और टिकाऊ विकास को आगे बढ़ाना। इस तरह हम देखें तो भारत ने ब्रिक्स को केवल राजनीतिक भवनबाजी का मंच बनाने के बजाय व्यावहारिक सहयोग के मंच में बदलने की कोशिश की है। ब्रिक्स के विस्तार की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का इसमें शामिल होना। इससे ब्रिक्स की पहुंच ऊर्जा और वैश्विक

वित्त केंद्रों तक हो गई है। सऊदी अरब दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल उत्पादकों में और संयुक्त अरब अमीरात व्यापार, वित्त, लॉजिस्टिक्स और निवेश का केंद्र बन चुका है। भारत के लिए यह खास मायने रखता है क्योंकि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले भारतीय समुदाय, निवेश, समुद्री व्यापार और पश्चिमी एशिया की स्थिरता सीधे भारत के आर्थिक हितों से जुड़े हैं। भारत और सऊदी अरब के संबंधों में ऊर्जा के साथ-साथ व्यापार, निवेश, रक्षा और प्रौद्योगिकी का महत्व बढ़ रहा है। भारत-सऊदी द्विपक्षीय व्यापार 2.23 में 52 अरब डॉलर से अधिक बताया गया था। इसी तरह भारत और



संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद व्यापारिक संबंधों में महत्वपूर्ण विस्तार हुआ है। दोनों देशों ने 2026 में भी व्यापार, निवेश, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और तकनीक में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया है। ब्रिक्स में दो अरब देशों सऊदी अरब, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात हैं। अध्यक्ष बनने पर इसके सामने सबसे कठिन चुनौती कूटनीतिक है। एक तरफ ईरान है और दूसरी तरफ सऊदी अरब तथा संयुक्त अरब अमीरात है। पश्चिम एशिया में इन देशों के हित हमेशा एक जैसे नहीं रहे हैं। मौजूदा दौर में पश्चिम एशिया संकट ने यह चुनौती और गंभीर कर दी है। गौरतलब है मई 2026 में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में ईरान और उसके खाड़ी पड़ोसियों से जुड़े मतभेदों के कारण साझा बयान पर सहमति नहीं बन सकी थी।

ऐसे में यह सवाल पैदा होता है कि क्या ब्रिक्स इतनी विविध परस्पर विरोधी रणनीतिक प्राथमिकताओं वाले देशों को एक साझा राजनीतिक आवाज दे सकता है? भारत की अध्यक्षता की वास्तविक सफलता का आकलन इसी कसौटी पर किया जाएगा। इसके बावजूद भारत के लिए इसका अध्यक्ष होने पर तमाम फायदे हैं,

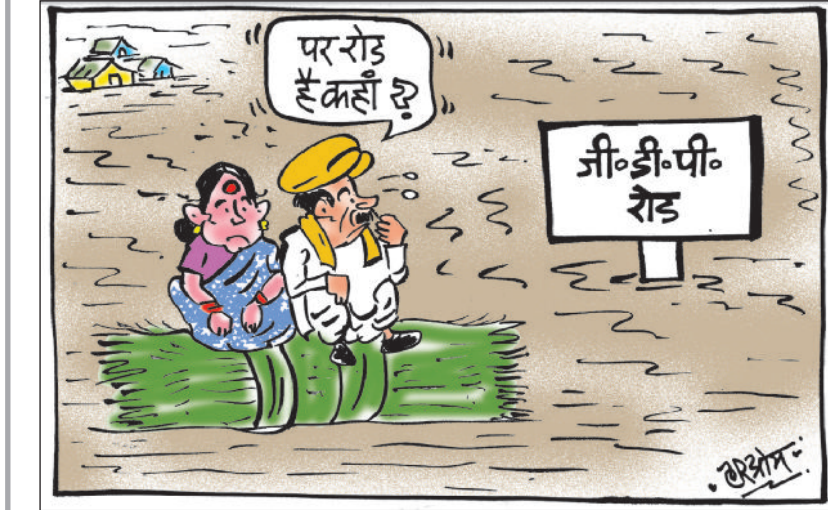
## उपकार



## संकलित दर्शन

किसी संकट एवं कष्ट के समय हर क्षण हमारी जिह्वा पर प्रभु का नाम होता है। मन, कर्म एवं वचन से भी हमें उनके अनुनय-विनय की मुद्रा में ही रहते हैं। फिर एक दिन जब हम प्रभु की अनुकम्पा से उन बुरे दिनों की चपेट से उबर जाते हैं तो उन्हें भूल जाते हैं। इस प्रकार जन्म से लेकर आज तक हमारे ऊपर ईश्वर के ऐसे उपकारों का सिलसिला अनंत है। प्रभु के उपकार रूपी ऋण से उन्मुख होना हम मनुष्यों के लिए जीवनपर्यंत असंभव है। धन्य हैं वे करुणानिधान, जिन्होंने विशेष कृपा कर हमें बनाया। हाथ, कान, नाक, पांव, बुद्धि एवं घ्राण क्षमता-सब कुछ कार्योंपयोगी। यदि वह एकाध अंग-उपांग से अथवा अनेक जीवोपयोगी शारीरिक क्षमताओं से वंचित कर विपरीत परिस्थितियों में जन्म दे देते तब भी हमें जीवन जीना ही पड़ता। तो क्या फिर हम अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य पर इतना इतरा पाते? बिल्कुल नहीं। तब पल-पल संघर्ष एवं परिश्रम कर सब कुछ डोलना ही होता। प्रभु ने कुछ तो समझ-बूझकर हम मनुष्यों को जीवन की ये तमाम अनुकूलताएं दी होंगी। भगवान ने इतनी सुविधाएं दीं तो बरले में हमने क्या विलक्षण किया? वास्तव में ईश्वर ने हमें ये सारी अनुकूलताएं एवं सुविधाएं कुछ विशेष कार्य करने के लिए दी हैं, न कि केवल व्यर्थ में कुछ विशेष होने-समझने के लिए। समस्या यह है कि औरों के कल्याण एवं हित के लिए प्रभु-दरबार से अनुकंपा पर मिली वस्तुओं को हमने भूलवश नितांत अपना ही समझ लिया।

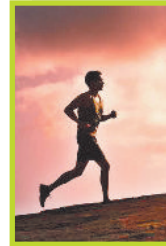
## अंतर्मन



## करंट अफेयर

# पाक के पंजाब सूबे को पड़ोसी राज्यों से अधिक खतरा : मरियम

पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने कहा कि उनके सूबे को पड़ोसी देशों से अधिक पड़ोसी सूबों से खतरा है। पाकिस्तान में विशेषकर पंजाब से सटे खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सूबों में गत वर्षों के दौरान आतंकी गतिविधियों में काफी बढ़ी है। पंजाब सूबे की सीमा भारत से भी लगती है। मरियम ने शनिवार को लाहौर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ‘पंजाब में आतंकवाद राज्य की सीमाओं से दाखिल होता है। दुख की बात यह है कि 13 करोड़ की आबादी वाले पंजाब को जो खतरा है, वह मेरे पड़ोसी देशों से कम और मेरे पड़ोसी राज्यों से अधिक है।’ पंजाब की मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पड़ोसी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का जिक्र करते हुए कहा, ‘वहां से पंजाब में आतंकवाद आता है। सबकी नजरें पंजाब पर हैं, लेकिन ईश्वर का शुक्र है कि पंजाब सुरक्षित है। हमें जिस तरह के खतरों का सामना करना पड़ता है, वे हमारी सभी प्रांतीय सीमाओं से आते हैं। खैबर पख्तूनख्वा सूबे में सतारूढ़ प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता ने पंजाब की मुख्यमंत्री की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे ‘अपमानजनक’ बताया।



कि दौड़ने से लोगों को नशीले पदार्थ या शराब के इस्तेमाल से नशामुक्त जीवन की ओर बढने में कैसे मदद मिलती है (अधिकांश लोगों ने शराब को नशे का मुख्य स्रोत बताया। नतीजे बताते हैं कि नशीले पदार्थ या शराब के इर्द-गिर्द सिमटा जीवन बीरे-बीरे दौड़ने से ध्वंस्स्थित हो गया। शुरुआत में ज्यादातर प्रतिभागी वजन घटाने के लक्ष्यों से प्रेरित थे, न कि स्वास्थ्य लाभ से। वे दौड़ने की तैयारी के दौरान भी मादक पदार्थों का सेवन करते रहे, कभी-कभी लंबी दौड़ शुरू करने से पहले थोड़ी शराब पी लेते थे।

## विचार हरिभूमि 2

जिनसे इनकार नहीं किया जा सकता है। इसमें बड़ा लाभ इसके कूटनीतिक हैं, जिसके तहत रूस, चीन, ईरान, अरब देशों, अफ्रीकी देशों और लैटिन अमेरिका के साथ संवाद करने की स्थिति में है। इससे भारत की उस विदेश नीति को मजबूती मिलती है जिसे आम तौर पर रणनीतिक स्वायत्तता कहा जाता है। इसी के साथ भारत पश्चिमी देशों के साथ भी अपने संबंध मजबूत रख सकता है और ब्रिक्स जैसे मंचों पर ग्लोबल साउथ की आवाज भी उठा सकता है। इसी तरह भारत को अध्यक्ष बनने पर आर्थिक लाभ इसके विस्तारित सदस्य देशों में ऊर्जा, कच्चे माल, कृषि, खनिज, निवेश, तकनीक और बाजारों की विशाल संभावनाएं भविष्य में बन सकती हैं। रूस और पश्चिमी एशिया के ऊर्जा उत्पादक देशों का एक ही मंच पर होना भारत के लिए रणनीतिक अवसर है। भारत को कच्चे तेल और गैस की जरूरत है। साथ ही भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, दुर्लभ खनिजों और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की जरूरत बढ़ने वाली है। इसको देखते हुए ब्रिक्स को भारत के लिए ऊर्जा और कूटनीतिक खनिज साझा मंच बनाया जा सकता है। भारत ब्रिक्स के जरिए तमाम फायदे तलाश सकता है लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चीन भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। दोनों देश ब्रिक्स के सदस्य हैं, लेकिन दोनों के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धाएं भी कम नहीं हैं। ऐसे में संतुलन बनाए रखना भारत के सामने बड़ी चुनौती होगी। दूसरी बात, रूस ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य है। भारत के लिए रूस आज सबसे बड़ा साझेदार, सहयोगी और विश्वसनीय मित्र है। लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध ने रूस के साथ भारत के संबंधों को पश्चिमी देशों की नजर में अधिक संवेदनशील बनाया है।

ऐसे में भारत के सामने चुनौती यह है कि वह रूस के साथ अपने संबंध बनाए रखते हुए अमेरिका और यूरोप के साथ भी अपने रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाए। भारत की असली सफलता इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि सम्मेलन के अंत में कितने पन्नों का घोषणापत्र जारी हुआ। सफलता तब होगी, जब ब्रिक्स के सदस्य देश ऐसी परियोजनाओं और संस्थागत व्यवस्थाओं पर सहमत हों, जिनका अपना हित साधते हुए सभी तरह की चुनौतियों, कठिनाइयों और अवसरों को बेहतर तरीके से अपने हित में मुना लोग।

( लेखक स्वर्ण संकाश हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर देखते हैं।

## मित्रता मुश्किल समय के लिए एक भरोसा

रामायण में हनुमान जी ने श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता करवाई थी। पहली मुलाकात में श्रीराम ने सुग्रीव से कहा कि मैं मेरी पत्नी सीता को खोज में जंगल-जंगल भटक रहा हूँ, लेकिन आप तो राजा हैं। आप जंगल में क्यों रह रहे हैं? पहले सब ठीक था, लेकिन एक दिन हमारे राज्य में एक राक्षस आ गया तो बालि उसे मारने गया। सुग्रीव ने श्रीराम से अपना सारा वृत्तांत बताया कि कैसे भाई को गलतफहमी हुई। श्रीराम ने सुग्रीव की पूरी बात सुनी और कहा कि ठीक है मैं आपको मदद करूंगा। पहले तो सुग्रीव को श्रीराम पर भरोसा नहीं हुआ। वह सोचने लगा कि बालि तो इतना बलवान है, राम उसे कैसे मार सकते हैं? ये कैसे मेरी मदद कर पाएंगे? सुग्रीव के चेहरे पर संदेह देखकर श्रीराम ने कहा कि सुग्रीव, अब मैं तुम्हारा मित्र हूँ। मित्र के छह गुण हैं। पहला, अपने दोस्त के दुख में दुखी होना। दूसरा, मित्र के दुख को दूर करने का प्रयास करना। तीसरा, मित्र को गलत रास्ते पर जाने से रोकना। चौथा, लेन-देन के समय शंका न करना। पांचवां, हमेशा दोस्त का भला करना और छठा गुण है, विपत्ति के समय दोस्त के साथ खड़े रहना। ये सभी अच्छे मित्र के लक्षण हैं और तुम मुझे अपना मित्र समझ सकते हो। श्रीराम की बातें सुनकर सुग्रीव को उनकी बातों पर भरोसा हो गया। इसके बाद सुग्रीव ने भी सीता की खोज में मदद करने का वचन दिया। दोनों मित्रों ने एक-दूसरे की परेशानी को हल करने का संकल्प लिया।



### बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का सर्वे

त्रिफुक्त जिले में बाढ़ से प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे और घाटों का जमीनी निरीक्षण किया। बाढ़ से प्रभावित 800 परिवारों को राहत सामग्री बांटी गई, बेघर हुए परिवारों को जमीन के आवंटन प्रमाण-पत्र दिए।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उत्तरप्रदेश



### घायलों को तुरंत मिले इलाज

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की खबर बेहद दुःखद और चिंताजनक है। खबरों के मुताबिक, मलबे के नीचे कई लोग दबे हुए हैं, जिनमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के कई छात्र भी शामिल हैं। नोर्दी अग्रिल है कि सभी बचाव दल हर संभव कोशिश करके घायलों को तुरंत सबसे अच्छा इलाज दिलाए।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

### छात्रों के सपनों को उड़ान

टेक्नोलॉजी के ज़रिए टैलेंट को सशक्त बनाकर, हम अपने होनहार छात्रों के सपनों को नई उड़ान दे रहे हैं। मेरा मानना है कि लैपटॉप छात्रों की पढ़ाई, रिसर्च, इनोवेशन और प्रतियोगी पहलोंओं की तैयारी में मददगार साबित होगा।
- डा. मोहन यादव, सीएम, मध्य प्रदेश

### पंजाब में बहुत तरक्की

पिछले चार सालों में पंजाब ने बहुत तरक्की की है। जिस पंजाब को पिछली सरकारों ने नरो की दलदल में धकेल दिया था, आज उसी पंजाब के गांवों के बच्चे 'छेड़न वतन पंजाब दिया सैजान 4' में अपना हुनर दिखा रहे हैं। उब हमारा पंजाब बढ़त रहा है। -अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

**हमारा पता**

**हरिभूमि कार्यालय**

रिंग रोड नं. 2 , गैरपणथ, बिलासपुर

फ़ोन : 401050/271016,फैक्स-271018

ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com

# गणपति सजेंगे 66 किलो सोने और 335 किलो चांदी से, 703 करोड़ का बीमा

एजेसी ►► मुंबई

देश भर में इस समय गणेशोत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। मुंबई का जीएसबी सेवा मंडल अपने 72वें महा गणपति उत्सव के लिए पूरी तरह तैयार है। यह मंडल अपनी प्राचीन वैदिक परंपराओं, भव्य आभूषणों और अब आधुनिक ईको-फ्रेंडली पहलों के लिए जाना जाता है। 14 से 18 सितंबर तक चलने वाले इस 5 दिवसीय गणेशोत्सव से पहले मंडल ने भक्तों की सुरक्षा और अपनी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 703.27 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड ऑल-रिस्क बीमा कवर लिया है। 12 सितंबर को 'विराट दर्शन दिवस' के दिन रात 8 बजे बप्पा की पहली झलक देखने को मिलेगी।

इस बार रिकॉर्ड इश्योरेंस

मुंबई के सबसे अमीर गणपति मंडल के रूप में महारू जीएसबी सेवा मंडल ने इस साल अपने इश्योरेंस कवर में भारी बढ़ोतरी की है। इससे पहले मंडल ने साल 2025 में 474 करोड़ रुपये और साल 2024 में 400 करोड़ रुपये का बीमा कराया था। यह बीमा सुरक्षा मंडल के कीमती सोने-चांदी के आभूषणों, श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों, पुजारियों, सुरक्षाकर्मियों, रसोइयों, पंडाल और आसपास के परिसर को किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना से कवर करता है।

12 सितंबर को 'विराट दर्शन दिवस' के दिन रात 8 बजे बप्पा की पहली झलक देखने को मिलेगी



गणपति बप्पा का होगा सोने-चांदी से भव्य श्रृंगार

जीएसबी सेवा मंडल के संयोजक डॉ. भुजंग पाई के अनुसार, नवसाला पावणारा विश्वचा राजा (भक्तों की मन्तव्य पूरी करने वाले राजा) के नाम से प्रसिद्ध बप्पा की मूर्ति का भव्य श्रृंगार किया जाता है। मूर्ति को 66 किलोग्राम से अधिक सोने के गहनों और 335 किलोग्राम से अधिक चांदी व बहुमूल्य रत्नों से सजाया जाता है। यह सभी आभूषण भक्तों और सेवादार्थों द्वारा श्रद्धापूर्वक दान किए गए हैं।

पर्यावरण-अनुकूल पहल

परंपरा के साथ आधुनिक बदलावों को अपनाने हुए इस वर्ष मंडल ने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया है। कागज की खपत घटाने के लिए पारंपरिक प्रिंटेड रसीदों की जगह पूरी तरह डिजिटल सिस्टम लागू कर दिया गया है। वहीं महा गणपति की मूर्ति पूरी तरह से पर्यावरण-अनुकूल मिट्टी से तैयार की जाती है।

वैदिक परंपराएं और अन्नदान सेवा

मंडल में उत्सव के दौरान रोज औसतन 1 लाख से अधिक पूजा और सेवा (जैसे महापूजा, अर्चना, गणाहोम और तुलाभार) वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न की जाती हैं। मंडल की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक 'अन्नदान' है, जिसके तहत रोजाना 40,000 से अधिक श्रद्धालुओं को केले के पत्तों पर महाप्रसाद भोजन कराया जाता है। 5 दिनों में 2 लाख से ज्यादा लोग इसका लाभ उठाएंगे।

खबर संक्षेप

राजनाथ का 3 दिवसीय श्रीलंका दौरा कल से

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार से श्रीलंका की तीन दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह दोनों देशों के बीच रक्षा एवं सैन्य संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे।



आधिकारिक बयान के अनुसार, सिंह के साथ रक्षा और विदेश मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा, "रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आठ से 10 सितंबर तक श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे।"

पूरा परिवार कुदा गोदावरी नदी में, 3 की मौत

एलमंचिली। आंध्र प्रदेश के चिंचिनाडा में एक परिवार के चार सदस्यों ने पुल से गोदावरी नदी में कथित तौर पर छलांग लगा दी। घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला को बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से दो मोटरसाइकिल मिली हैं। उनके पंजीकरण नंबर के आधार पर परिवार की पहचान तनूक शहर के निवासियों के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान पद्मिनी के पति नंबूरी श्रीनिवास (45) और उनके दो नाबालिग बच्चों के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार सुबह करीब सवा छह बजे हुई।

सहकर्मी ने की कैची से महिला की हत्या

गुरुग्राम। हरियाणा में गुरुग्राम के सेक्टर 37 में कार्यस्थल पर 25 वर्षीय एक महिला को उसके सहकर्मी ने कथित तौर पर कैची से गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, गंभीर रूप से घायल शिवानी को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी असलम को हिरासत में लिया है। यूपी के कन्नौज जिले के जलालपुर गांव की रहने वाली शिवानी सेक्टर 37 इलाके में 'पेड़ों गेस्ट आवास' में रहती थी। वह और असलम इसी सेक्टर के औद्योगिक क्षेत्र में कार सीट कवर बनाने वाली कंपनी एनडीआर में काम करते थे जिनके बीच काम को लेकर विवाद हो गया था।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को गोवा में कहा कि सरकार ने नक्सलवाद खत्म कर दिया है। अब नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि, "नक्सलवाद के बाद नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटेगे। जिन्होंने तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कॉरिडोर की कल्पना की थी, उन्होंने अब अपने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। दरअसल, अमित शाह गोवा के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए ये बयान दिया।

एजेसी ►► पणजी

अमित शाह ने कहा 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन के दौरान, 26 लाख किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए थे। जबकि, 2014 और 2026 के बीच, यह आंकड़ा बढ़कर 1 करोड़ 19 लाख किलोग्राम से अधिक हो गया। शाह ने कहा पूरा देश नशा मुक्त भारत के तीन साल के अभियान का समर्थन करेगा। उन्होंने मीडिया से भी अनुरोध किया कि भारत को नशा मुक्त बनाने के इस लक्ष्य को हासिल करने में हमारी मदद करें।

पहले के समय छोटी-मोटी कार्रवाई होती थीं शाह ने कहा वर्ष 2014 से पहले मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई अधिकतर छोटी इकाइयों द्वारा और अलग-थलग रहकर लड़ी जाती थीं। एजेंसियां अक्सर छोटे-मोटे आरोपियों को पकड़कर ही संतुष्ट हो जाती थीं। हमारी सरकार इस लड़ाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से प्राथमिकता बना रही है। मोदी सरकार ने आंतरिक सुरक्षा को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

रेड कॉरिडोर की कल्पना करने वाले आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़े



एक लाख नशामुक्ति मित्र तैयार किए जाएंगे

गृह मंत्री ने कहा कि अभियान 50 करोड़ नागरिकों तक पहुंचेगा। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री ने एक ही कार्यक्रम में 1 करोड़ युवाओं के साथ बातचीत की। हम 1 लाख नशामुक्ति मित्रों को प्रशिक्षित करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम ने कहा था- भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा है और अब साजिशों को नेस्टानाबूद किया जाएगा।

## मणिपुर में यूकेएनए के दो उग्रवादी ढेर, दो घायल, हथियार बरामद

भारतीय सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने की बड़ी कार्रवाई



इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में भारतीय सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ में यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी यानी यूकेएनए के दो उग्रवादी मारे गए, जबकि दो अन्य घायल हुए। यह कार्रवाई जिले के हेंगलेप उपमंडल के फेबोंग गांव में की गई। सुरक्षाबलों ने खुफिया सूचना मिलने के बाद इलाके में अभियान शुरू किया था। सुरक्षाबलों ने यूकेएनए शिविर की घेराबंदी की। उग्रवादियों के ठिकाने से बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए गए। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षाबलों ने 29 अगस्त की रात फेबोंग गांव में अभियान शुरू किया। इसके बाद यूकेएनए के एक शिविर पर निगरानी रखी गई। दो सितंबर की सुबह करीब पांच बजे सुरक्षाबलों ने शिविर की ओर रणनीतिक तरीके से बढ़ना शुरू किया।

शिविर से भारी मात्रा में हथियार बरामद

शिविर में तलाशी के दौरान दो एमए राइफल, एक एके-56 राइफल, एक लाथीड गन, सात लाथीड बेनेड, 15 एके मैगजीन, 371 एके-56 कारतूस, 601 एमए राइफल के कारतूस और 172 एसएलआर कारतूस बरामद किए गए। इसके अलावा 15 लडाकू वर्र्दियां और सात गोला-बारूद रखने वाली पाउच भी मिलीं।

यूकेएनए को लेकर क्या स्थिति है?

यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी यानी यूकेएनए उन कुकी और जोंगी संरक्ष संगठनों में शामिल नहीं है, जिन्होंने केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और कुछ कुकी-जोंगी संगठनों के साथ संस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस यानी अभियान निलंबन समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

## पटना में निचले इलाकों में अलर्ट, 19 लाख लोग प्रभावित



पटना। बिहार के 11 जिलों में 19 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर बाढ़ के महत्वपूर्ण निशान से ऊपर जाने के बाद अधिकारियों ने निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के बाद पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर 'बाढ़ के उच्चतम स्तर' से ऊपर चला गया है। बिहार का 76 प्रतिशत इलाका बाढ़ से प्रभावित है और 19 जिलों के 20 लाख लोग इसकी चपेट में हैं। अनेक क्षेत्रों में सड़क पर नाव चलाई जा रही है। बाढ़ बारिश के कारण 20 लाख से अधिक लोग इस आपदा में फंसे हुए हैं। पशुपालकों के मवेशी पानी में डूबकर बह गए हैं। सार्वजनिक ढांचे को भारी नुकसान हुआ है।

पोस्ट डालकर खुद को करते हैं महिमांमंडन, विभागीय छवि पर पड़ता है असर

## सरकारी अफसरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर लगेगी लगाम...!

एजेसी ►► नई दिल्ली

सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के सोशल मीडिया इस्तेमाल के लिए सरकार नई आचार संहिता लाने पर विचार कर रही है। इसके तहत अनुचित विषयों पर वीडियो या निजी राय पोस्ट करने और अपने पद या काम का महिमांमंडन करने वाली सामग्री साझा करने पर रोक लगाई जा सकती है। प्रस्तावित नियम सभी अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू हो सकते हैं। हालांकि, आचार संहिता कब जारी होगी और इसमें क्या प्रावधान होंगे, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

क्या पोस्ट करें इसे लेकर तय होंगे नियम

सरकार के उच्च स्तर पर इस मुद्दे को लेकर चर्चा हो चुकी है। अब एक ऐसी आचार संहिता तैयार करने पर विचार किया जा रहा है, जिसके तहत अधिकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनुचित या आपत्तिजनक विषयों से जुड़े वीडियो और निजी राय साझा नहीं कर सकेंगे।

कब तक आएंगी नई आचार संहिता



हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार सोशल मीडिया आचार संहिता को कब तक जारी करेगी। साथ ही, इसमें किन-किन गतिविधियों को प्रतिबंधित किया जाएगा और अधिकारियों के लिए क्या-क्या दिशा-निर्देश तय होंगे, इसकी भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सभी कर्मियों पर लागू हो सकती है आचार संहिता

सूत्रों के अनुसार, एक बार सोशल मीडिया आचार संहिता तैयार होने के बाद इसे सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू किया जा सकता है। इसमें अधिकारी का पद या रैंक क्या है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यानी नियमों का दायरा शीर्ष स्तर के अधिकारियों से लेकर अन्य कर्मचारियों तक हो सकता है।

अधिकारियों के 'महिमांमंडन' वाले पोस्ट भी चिंता की वजह

सरकार का यह कदम ऐसे समय में सामने आया है, जब अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया पर अपने काम और पद का महिमांमंडन करने वाली सामग्री साझा करने के मामले बढ़ रहे हैं। सरकारी सेवा में रहते हुए इस तरह की सामग्री पोस्ट करना कर्मचारियों से अपेक्षित आचरण के अनुरूप नहीं माना जाता। इसी वजह से सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर स्पष्ट आचार संहिता की जरूरत महसूस की जा रही है।

फिलहाल सोशल मीडिया इस्तेमाल पर स्पष्ट नियम नहीं सूत्रों के मुताबिक, सरकार को सोशल मीडिया आचार संहिता की जरूरत इसलिए भी महसूस हुई है क्योंकि मौजूदा समय में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर इस तरह के स्पष्ट और व्यापक नियम मौजूद नहीं हैं। नई आचार संहिता के जरिए इस अंतर को दूर करने की कोशिश की जा सकती है।

मुंबई में वारदात

पूर्व ड्राइवर ने मालिक के घर डाली 'नकली आईटी रेड', मांगे 1 करोड़

एजेसी ►► मुंबई

मुंबई के अंधेरी में ड्राइवर संतोष खोपटकर ने अपने पुराने मालिक राजकुमार कंदसाजी के दफ्तर पर एक नकली इनकम टैक्स रेड डालने की कोशिश की। खोपटकर और उनके साथियों ने खुद को इनकम टैक्स अधिकारी बताया। उनके पास जाली पहचान पत्र और एक फर्जी सचं वारंट भी था। उन्होंने कंदसाजी पर टैक्स चोरी का आरोप लगाया और कहा कि अगर वह एक करोड़ रुपये दे दें, तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी।

7 गिरफ्तार, 2 अब भी फरार

इस गिरोह ने कंदसाजी के दफ्तर में घंटों तक तलाशी ली और वहां रखे फोन भी अपने कब्जे में ले लिए। लेकिन उनके हाथ कुछ भी नहीं लगा। जब कंदसाजी ने बिना किसी आधिकारिक नोटिस के पैसे देने से साफ मना कर दिया, तो वे सभी खाली हाथ लौट गए। बाद में, जब कंदसाजी ने अपने वार्टर्ड अकाउंटेंट से इस बारे में बात की, तब उन्हें घबराहट हुआ कि यह एक बड़ा धोखा था। इसके बाद, उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। एक साल पहले नौकरी से निकाले गए संतोष खोपटकर और उनके 6 अन्य साथियों को पुलिस ने जल्द ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को शक है कि इस गिरोह ने पहले भी इसी तरह की कई वारदातों को अंजाम दिया होगा।





**सीजी पावर ने शुरू किया ट्रांसफॉर्मर का उत्पादन नई दिल्ली।** सीजी पावर एंड इंस्ट्रुमेंटल्स लिमिटेड ने मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित अपने नये कारखाने से बिजली ट्रांसफॉर्मर का उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 50 एकड़ में फैली यह इकाई भारत में एक ही स्थान पर स्थित सबसे बड़ा बिजली ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण संयंत्र है। इसकी हर महीने 220 किलोवाट से 1,200 किलोवाट श्रेणी के 35 बिजली ट्रांसफॉर्मर बनाने की क्षमता है।

**सेबी और एएसएमए में सूचना साझा करने हुआ समझौता**

**नई दिल्ली।** बाजार नियामक सेबी और यूरोपीय प्रतिभूति एवं बाजार प्राधिकरण (ईएसएमए) ने सेबी की निगरानी में आने वाले केंद्रीय प्रतिपक्षकारी (सीसीपी) से जुड़े नियामकीय सहयोग और सूचना साझा करने के लिए एक समझौता किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने कहा कि नया समझौता दोनों नियामकों के बीच 21 जून, 2017 को हुए पिछले समझौते की जगह लेगा। समझौता ज्ञापन (एमओयू) दोनों नियामकों को अपने-अपने कानूनों और नियमों के तहत सहयोग का ढांचा प्रदान करता है।

**सेल का उत्पादन अगस्त में आठ प्रतिशत बढ़ा**

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल का अगस्त में कच्चा इस्पात उत्पादन सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 16.8 लाख टन रहा। इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (सेल) ने कहा कि पिछले साल इसी महीने में उत्पादन 15.5 लाख टन था। पिछले महीने कुल बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 18.7 लाख टन रही, जो पिछले साल इसी महीने 16.5 लाख टन थी। सेल ने कहा कि उसने अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत किया है और 31 मार्च, 2026 के स्तर से कुर्ज में 870 करोड़ रुपये की कमी की है।

**आरबीआई वीआरआरआर की आज करेगा नीलामी**

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि वह बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी कम करने के लिए सात सितंबर को 30 दिन की ‘परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो’ (वीआरआरआर) नीलामी करेगा। इसके तहत सात लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि स्वीकार की जाएगी। आरबीआई की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, यह नीलामी सात सितंबर को सुबह 9.30 बजे से 10 बजे के बीच होगी और राशि की वापसी सात अक्टूबर को की जाएगी।

**बीईएमएल ने यूएमपीईएसएल के साथ किया समझौता**

**बेंगलुरु।** सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी बीईएमएल ने यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट्स एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (यूएमपीईएसएल) के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। इसका मकसद भारत की कोयला खदानों में उत्पादकता आधारित वाहन और मशीन के बेड़ों के प्रबंधन अनुबंधों पर मिलकर काम करना है। यूएमपीईएसएल, टाटा एंटरप्राइज की कंपनी वोल्टास लिमिटेड की 100 प्रतिशत अनुषंगी इकाई है। इस सहमति पत्र पर हस्ताक्षर बीईएमएल लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक और प्रमुख-एसबीयू (सस्टेनेबल) संदीप मनोहर माटे और यूएमपीईएसएल के खपन एवं निर्यात विभाग खंड के उपाध्यक्ष, शरद टी ने किए।

# एसबीआई 12,000 भर्तियां और 250 नई शाखाएं खोलेगा : चेयरमैन

एजेसी ►► नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र का भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) चालू वित्त वर्ष में करीब 11,000 से 12,000 कर्मचारियों की भर्ती करने और अपने शाखा नेटवर्क के विस्तार की योजना बना रहा है। बैंक के चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने यह जानकारी दी।

शेट्टी ने कहा कि बैंक चालू वित्त वर्ष में लिपिक और अधिकारी स्तर पर करीब 11,000 से 12,000 नियुक्तियां करेगा। इसके अलावा बैंक की 200 से 250 नई शाखाएं खोलने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि

**एसबीआई अपने शाखा नेटवर्क विस्तार की योजना बना रहा**



**2025-26 में 25,633 कर्मियों की नियुक्ति की थी**

बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में एसबीआई ने कुल 25,633 कर्मचारियों की नियुक्ति की थी। शेट्टी ने कहा कि बड़ा शाखा नेटवर्क होने के बावजूद देश के कई हिस्सों में अब भी बैंक के लिए विस्तार की गुंजाइश है। नई कॉलोनिजों के विकसित होने के साथ-साथ व्यावसायिक रूप से सक्रिय जिलों में भी बैंक अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहता है।

सेवानिवृत्तियों और उभरती जरूरतों के आधार पर यह संख्या कुछ कम या ज्यादा हो सकती है, लेकिन उम्मीद है कि वित्त वर्ष के अंत तक करीब 12,000 लोगों की भर्ती हो जाएगी। शेट्टी ने कहा कि बैंक कुछ शाखाओं का युक्तिकरण भी कर रहा है और इसके बावजूद शाखाओं की संख्या में हर साल करीब 200 से 250 की शुद्ध वृद्धि होने की उम्मीद है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में हिस्सेदारी के प्रस्तावित विनिवेश के बारे में शेट्टी ने कहा कि एसबीआई और उसकी अनुषंगी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स मिलकर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में अपनी करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं।

## एक बार फिर जोरदार हलचल देखने को मिलेगी आईपीओ की जमकर ‘बारिश’, एक ही दिन में लांच होंगे 6, हफ्ते में 11, लक्ष्य 7,055 करोड़

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय प्राथमिक बाजार में अगले कुछ दिन में एक बार फिर जोरदार हलचल देखने को मिलेगी। रेंटोमोजो, कनोहर इलेक्ट्रिकल्स और करमतारा इंजीनियरिंग सहित 11 कंपनियां मुख्य मंच के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये कुल 7,055 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में हैं। इन कंपनियों के आईपीओ सात सितंबर से 15 सितंबर के बीच बाजार में खुले रहेंगे।

- **रेंटोमोजो, कनोहर और करमतारा सहित 11 कंपनियों के आईपीओ**

यस सिक्योरिटीज के मुख्य निवेश अधिकारी राजकुमार राठी ने कहा कि एक साथ इतने आईपीओ आना इस बात का संकेत है कि निवेशक शुरुआती चरण की वृद्धि वाली कंपनियों में हिस्सेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी कंपनियां सूचीबद्ध होने के समय एक अरब अमेरिकी डॉलर से कुछ कम बाजार पूंजीकरण वाली होंगी।

**एक बार फिर जोरदार हलचल देखने को मिलेगी**



**2,722 करोड़ रुपए नए शेयर जारी कर जुटाएंगे**

आगामी आईपीओ में रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण, भुगतान एवं पहचान समाधान, विशेष रसायन और ऑनलाइन किराये के कारोबार से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं। कुल 7,055 करोड़ रुपये में से 2,722 करोड़ रुपये यानी 39 प्रतिशत नए शेयर जारी कर जुटाए जाएंगे। यह राशि कंपनियों के खाते में जाएगी। वहीं, 4,333 करोड़ रुपये यानी 61 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री (ओएफएस) के जरिये जुटाए जाएंगे।

**राशि का इस्तेमाल कारोबार विस्तार में**

नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज चुकाने, कार्गो पूंजी और कंपनियों की सामान्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। सितंबर की शुरुआत भी आईपीओ के लिहाज से व्यस्त रही है। रेज ऑफ बिलीफ और दीपा ज्वेलर्स ने एक सितंबर को अपने आईपीओ पेश किए थे।

**वर्ष 2026 में आईपीओ लाने वाली कंपनियों की संख्या बढ़कर 75**

इन नए निर्गमों के साथ 2026 में आईपीओ लाने वाली कंपनियों की संख्या बढ़कर 75 होने की उम्मीद है। इनमें अकेले अगस्त में 23 कंपनियां बाजार में उतरी थीं। प्रणव कंस्ट्रक्शंस का आईपीओ सात सितंबर खुलेगा। कंपनी का 351 करोड़ रुपये से अधिक का यह निर्गम नौ सितंबर को बंद होगा। कंपनी ने शेयर का मूल्य दायरा 118-124 रुपये तय किया है। इसमें 315.6 करोड़ रुपये का नया निर्गम और 28.57 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

**कनोहर का निर्गम 1056 करोड़ जुटाएंगी**

कनोहर इलेक्ट्रिकल्स, प्रसोल केमिकल्स और ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) के आईपीओ आठ सितंबर को खुलेंगे। कनोहर इलेक्ट्रिकल्स का निर्गम 1,056 करोड़ रुपये का है और मूल्य दायरा 601-632 रुपये है। प्रसोल केमिकल्स 500 करोड़ रुपये जुटाएगी, जिसमें 80 करोड़ रुपये का नया निर्गम और 420 करोड़ रुपये तक की ओएफएस शामिल है। ग्लास वॉल सिस्टम्स का निर्गम 428 करोड़ रुपये का है और इसका मूल्य दायरा 172-182 रुपये है।

**9 सितंबर को सबसे अधिक आईपीओ आएंगे**

इसके अलावा नौ सितंबर को रेंटोमोजो, मणिपाल पेमेंट एंड आडवैटिटी सॉल्यूशंस, आर्सिल, एलसीसी प्रोसेक्ट्स, करमतारा इंजीनियरिंग और स्ट्रीमहाउस इंडिया के आईपीओ आएंगे। रेंटोमोजो का आईपीओ 1,256 करोड़ रुपये का है, जो इस सप्ताह का सबसे बड़ा निर्गम है। इसका मूल्य दायरा 384-404 रुपये प्रति शेयर है। इसमें 150 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे और करीब 1,106 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल होगी।

## ईरान संघर्ष इस सप्ताह तय करेगा सोना-चांदी की चाल कच्चे तेल की कीमतें प्रभावित करेगी घरेलू शेयर बाजार को

एजेसी ►► नई दिल्ली

अमेरिका के आगामी मुद्रास्फूति आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव इस सप्ताह सोने-चांदी की कीमतों के प्रमुख निर्धारक होंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक ब्याज दरों को लेकर बढ़ी अटकलों के बीच निवेशकों की इन घटनाक्रमों पर नजर रहेगी। निवेशक जर्मनी और चीन के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े 11 सितंबर को जारी होने हैं। मर ने कहा कि सोने में 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर प्रतिरोध और चांदी में 2.31 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर समर्थन है। पिछले सप्ताह वायदा बाजार में सोने की कीमत 3,514 रुपये यानी 2.2 प्रतिशत घटकर 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई, जबकि चांदी 4,786 रुपये यानी करीब दो प्रतिशत गिरकर 2,37 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रही।

**एजेसी ►► नई दिल्ली**

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और अमेरिका के महंगाई के आंकड़े इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वि देश निवेशकों की गति विधियां और वैश्विक बाजारों का रुख भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेगा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ‘‘इस सप्ताह बाजार वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर संवेदनशील रह सकता है।

**एजेसी ►► नई दिल्ली**

नियेशकों की नजर अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व की सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति बैठक को लेकर बदलती उम्मीदों पर रहेगी। घरेलू मोर्चे पर विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह, रुपये की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और घरेलू बाजार में नकदी की स्थिति पर नजर रहेगी। मिश्रा ने कहा कि होमुंग जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम भी महत्वपूर्ण रहेंगे, क्योंकि इनका भारत की महंगाई, बाहरी संतुलन और कंपनियों की लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ सकता है।

**कॉमेक्स में सोना 1.2 फीसदी गिरा**

वैश्विक बाजार में कॉमेक्स सोना वायदा सप्ताहांत में करीब 1.2 प्रतिशत गिरकर 4,476.6 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस रहा। न्यूयॉर्क में चांदी 1.52 प्रतिशत घटकर 66.75 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस रही। मर ने कहा कि अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद इस महीने फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दर बढ़ाने की संभावना मजबूत होने से शुक्रवार को सोने की कीमतों पर दबाव रहा।

**नई दिल्ली।** दवा कंपनी ल्यूपिन लिमिटेड ने कहा कि उसे अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से ‘मोडाफिनिल’ टैबलेट बेचने की मंजूरी मिल गई है, जिसका इस्तेमाल अत्यधिक नींद आने की समस्या के इलाज में किया जाता है। ल्यूपिन ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी को 100 मिलीग्राम और 200 मिलीग्राम क्षमता वाली ‘मोडाफिनिल टैबलेट यूएसपी’ के

## ब्रिटेन के जगुआर लैंड रोवर में 33000 से अधिक कर्मचारी टाटा की कंपनी में होगी छंटनी, 4000 कर्मियों की नौकरी पर संकट

एजेसी ►► नई दिल्ली

टाटा मोटर्स के मालिकाना हक वाली कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) बड़े पैमाने पर छंटनी करने वाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी का प्लान अगले दो सालों में यूके में लगभग 4,000 कर्मचारियों को काम से निकालने का है। यह छंटनी मुख्य रूप से मैनेजमेंट और सैलरीड स्टाफ के स्तर पर होगी। ऐसा करने के पीछे कंपनी का मकसद मैनेजमेंट के साइज को छोटा कर ऑपरेंटिंग कॉस्ट को कम कर करना है। इसके लिए कंपनी स्वीच्छक सेवानिवृति कार्यक्रम शुरू कर रही है।

**नौजुदा कर्मचारियों पर क्या होगा असर ?**

ब्रिटेन में जेएलआर के पास 33,000 से अधिक प्रत्यक्ष कर्मचारी हैं और यह अपनी सप्ताही वेन के जरिए अन्य 1,20,000 लोगों को भी रोजगार देती हैं। कंपनी ने साफ किया है कि यह छंटनी फैक्ट्रियों में प्रति घंटे के आधार पर काम करने वाले मैन्युफैचरिंग/असेंबली लाइन कर्मचारियों को प्रभावित नहीं करेगी। इसका पूरा फोकस मैनेजमेंट को छोटा और लचीला बनाने पर होगा।

**उत्पादन घटाकर 3,00,000 वाहनों पर लाना**

यूके के अखबार ‘द टाइम्स’ की रिपोर्ट के अनुसार, कर्मचारियों की छंटनी की यह योजना जेएलआर की उस कोशिश का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी लगभग 1.7 बिलियन यूरो (21,700 करोड़ रुपये) को बचत करना चाहती है। साथ ही कंपनी अपने बिजनेस मॉडल को आसान बनाते हुए अपने ‘वेक-ईवन पॉइंट’ (वह स्तर जहां लागत और कमाई बराबर हो जाती है) को घटाकर सालाना 3,00,000 वाहनों पर लाना चाहती है। इसका सीधा मतलब है कि कंपनियां अब कम गाड़ी बेचकर भी मुनाफा कमा सकती हैं।

**कम गाड़ियां बेचकर लागत वसूल लेगी**

इससे रैलीरी और ऑफ़रड केनेटेनेस जैसे फिक्स्ड कॉस्ट में सालाना कमी आएगी। ऐसे में अब अगर वैश्विक मंदी या अमेरिकी टैरिफ की वजह से मार्केट में इसकी गाड़ियों की डिमांड कम भी हो जाए, तो भी कंपनी सालभर में कम गाड़ियां बेचकर अपना लागत वसूल लेगी।

**अमेरिकी टैरिफ की मार**

अमेरिका 29 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ जेएलआर का सबसे बड़ा ग्लोबल मार्केट है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ब्रिटिश निर्मित यात्रा वाहनों के आयात पर 10 प्रतिशत का नया आयात शुल्क लगाने की घोषणा से जेएलआर के मुनाफे और बिक्री पर सीधा असर पड़ा है। अमेरिका और यूके के बीच हुए एक समझौते के तहत पहले सालाना 1,00,000 वाहनों पर 10 प्रतिशत का रियायती शुल्क लागू होता है, लेकिन यह कोटा पार होते ही ब्रिटिश कारों पर 27.5 प्रतिशत का भारी-भरकम टैक्स लागू हो जाता है, जिससे निर्यात करना कुतूहलीपूर्ण हो जाता है।



होंडा मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) ग्रामीण बाजारों में अपनी पकड़ और मजबूत करने की तैयारी में है। कंपनी को उम्मीद है कि अगले तीन से चार साल में उसकी कुल बिक्री में ग्रामीण बाजारों की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 30 प्रतिशत हो जाएगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक (सीईओ) तरुण गर्ग ने यह बात कही है। गर्ग ने कहा कि कंपनी की कुल बिक्री में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की हिस्सेदारी करीब 68 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण बाजारों में भी एसयूवी की हिस्सेदारी 69 प्रतिशत पर पहुंच गई है। गर्ग ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रामीण बाजारों में कंपनी की बिक्री में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि शहरी बाजारों में यह वृद्धि महज 2.8 प्रतिशत रही। कंपनी को अपने आगामी उत्पादों से भी ग्रामीण बाजार में मांग बढ़ने की उम्मीद है। इनमें एक मध्यम आकार की एसयूवी और एक कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी शामिल हैं।

**हंडई बिक्री नेटवर्क का करेगी विस्तार**

गर्ग ने कहा कि इन नए मॉडल के आने के बाद ग्रामीण बाजारों में कंपनी की पहुंच और बिक्री को और गति मिल सकती है। ग्रामीण बाजारों की क्षमता को देखते हुए हंडई अपने बिक्री नेटवर्क का भी विस्तार कर रही है। कंपनी के मुताबिक, उसके द्वारा खोले जा रहे हर 10 नए आउटलेट या शोरूम में से करीब छह ग्रामीण बाजारों में स्थापित किए जा रहे हैं।

**नए नेटवर्क का विस्तार 60 फीसदी हिस्से में**

यानी कंपनी के नए नेटवर्क विस्तार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित है। इसके अलावा हंडई के पास ग्रामीण इलाकों में सेवा देने के लिए 100 से अधिक मोबाइल सेवा वैन भी हैं। कंपनी का मानना ​​है कि इन पहल से गाहकों तक बिक्री और बिक्री-बाद-सेवा दोनों की पहुंच बेहतर हो रही है।

## पेंट कंपनियों को अच्छी मांग की उम्मीद, प्रतिस्पर्धा तेज

एजेसी ►► नई दिल्ली

प्रमुख पेंट कंपनियों को त्योहारी मौसम के दौरान बिक्री में दोहरे अंक की वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। कंपनियां कच्चे माल की बढ़ती लागत की भरपाई के लिए कीमतों में बढ़ोतरी कर रही हैं, जबकि बाजार में प्रतिस्पर्धा भी तेज बनी हुई है। एशियन पेंट्स, बर्जर पेंट्स, कंसाई नेरोलेक और जे ए स ड बल्कू इयूलक को आ वा स , बुनियादी ढांचे और वाहन क्षेत्रों से मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल से जुड़ी कच्चे माल की कीमतों में अनिश्चितता उद्योग के लिए जोखिम बनी हुई है।

एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक (सीईओ) अमित संघल ने कहा कि

**बिक्री में दोहरे अंक की वृद्धि जारी रहने की उम्मीद**

इससे रैलीरी और ऑफ़रड केनेटेनेस जैसे फिक्स्ड कॉस्ट में सालाना कमी आएगी। ऐसे में अब अगर वैश्विक मंदी या अमेरिकी टैरिफ की वजह से मार्केट में इसकी गाड़ियों की डिमांड कम भी हो जाए, तो भी कंपनी सालभर में कम गाड़ियां बेचकर अपना लागत वसूल लेगी।

**अमेरिकी टैरिफ की मार**

अमेरिका 29 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ जेएलआर का सबसे बड़ा ग्लोबल मार्केट है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ब्रिटिश निर्मित यात्रा वाहनों के आयात पर 10 प्रतिशत का नया आयात शुल्क लगाने की घोषणा से जेएलआर के मुनाफे और बिक्री पर सीधा असर पड़ा है। अमेरिका और यूके के बीच हुए एक समझौते के तहत पहले सालाना 1,00,000 वाहनों पर 10 प्रतिशत का रियायती शुल्क लागू होता है, लेकिन यह कोटा पार होते ही ब्रिटिश कारों पर 27.5 प्रतिशत का भारी-भरकम टैक्स लागू हो जाता है, जिससे निर्यात करना कुतूहलीपूर्ण हो जाता है।



तिमाही के दौरान मांग ठीक रही और कंपनी को वित्त वर्ष 2026-27 में मात्रा के लिहाज से 8-10 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। सीईओ ने कहा, ‘‘हम त्योहारी तिमाही में प्रवेश कर रहे हैं... कुछ मिलाकर हमारा अनुमान है कि मात्रा में करीब आठ-10 प्रतिशत वृद्धि रहेगी।’’ बर्जर पेंट्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अभिनवीत राय ने वित्त वर्ष 2026-27 में राजस्व में दोहरे अंक की वृद्धि जारी रहने का अनुमान जताया। राय ने कहा कि दूसरी तिमाही में मात्रा वृद्धि करीब 7.5-8.4 प्रतिशत रह सकती है, जबकि कीमतों में 7.5-8.59 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

**सजावटी पेंट्स की कीमत तीन फीसदी बढ़ सकती है**

चौधरी ने कहा कि दूसरी तिमाही में सजावटी पेंट्स की कीमतों में करीब तीन प्रतिशत और औद्योगिक पेंट्स में तीन से पांच प्रतिशत की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनी पहली तिमाही के करीब पांच प्रतिशत कीमत बढ़ा चुकी है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे, निर्माण और वाहन क्षेत्रों से मांग मजबूत बनी हुई है।



# सात्विक-चिराग बने चाइना मास्टर्स चैंपियन, फाइनल में चीनी दीवार को दी मात

एजेंसी ►► शेनजेन

भारत के सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेटी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चाइना मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने 1 घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। यह भारतीय जोड़ी का इस सत्र का दूसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था और थाईलैंड ओपन सुपर 500 के फाइनल में भी जगह बनाई थी।

## एशियाई खेलों से पहले बड़ा आत्मविश्वास

दुनिया की पांचवें नंबर की भारतीय जोड़ी के लिए यह खिताब जापान में 19 सितंबर से पहले होने वाले एशियाई खेलों से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है, जिसमें वह अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय जोड़ी का सामना चीन की ऐसी जोड़ी से था, जो लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय सर्किट से दूर रहने के कारण रैंकिंग में गिरकर 70वें नंबर पर पहुंच गई थी। हे जी टिंग के लिए यह वापसी के बाद केवल तीसरा टूर्नामेंट है।

## भारतीय जोड़ी का दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन

भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में काफी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी रैलियों को लंबा खींचना शुरू किया। सात्विक ने पिलक सर्विस का इस्तेमाल किया और प्रतिद्वंद्वी जोड़ी को बार-बार फ्रंट कोर्ट में खेलने से रोका। इस तरह सात्विक और चिराग ने कई मुकाबले के बाद 7-6 की बढ़त हासिल कर ली। चिराग के बॉडी स्मैश से भारतीय जोड़ी ने लगातार पांचवां अंक हासिल करते हुए स्कोर 9-6 कर दिया, लेकिन सात्विक की सर्विस गलती से उनकी बढ़त का सिलसिला टूट गया। चिराग के स्मैश की मदद से भारत ने बेक तक चार अंक की बढ़त बना ली।

## रोमांचक फाइनल में चीन के खिलाड़ियों को 1 घंटे 10 मिनट में दी मात



## तीसरे फाइनल में जगह बनाई

सात्विक और चिराग ने हालांकि इससे पहले चीन की इस जोड़ी के खिलाफ हुए अपने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। भारतीय जोड़ी ने फाइनल तक पहुंचने के सफर में तीन गेम के तीन मुकाबले खेले थे। इन सभी मुकाबलों में उन्होंने पहला गेम जीतने के बाद दूसरा गेम गंवाया था। सात्विक और चिराग ने इस साल के अपने 10वें टूर्नामेंट में तीसरे फाइनल में जगह बनाई।

## भारतीय जोड़ी को मिले

## तीन मैच प्वाइंट

सात्विक की सर्विस से स्कोर 14-16 हुआ और फिर भारतीय जोड़ी ने जल्द ही 16-16 से बराबरी हासिल कर ली इसके बाद हे जी टिंग शटल को नेट में लगा बैठे, जिससे भारत 18-17 से आगे हो गया। नेट कोर्ड की मदद से भारतीय जोड़ी को तीन मैच प्वाइंट मिले और और चिराग ने जोरदार स्मैश लगाकर खिताब भारत की झोली में डाल दिया।

## भारतीय जोड़ी नहीं बना सकी रैलियों पर नियंत्रण

भारतीय जोड़ी शुरुआत में रैलियों पर नियंत्रण नहीं बना सकी। हे जी टिंग और रेन ने तेज और आक्रामक शॉट्स से 5-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने आक्रमण जारी रखा, जिससे यह बढ़त 8-3 हो गई। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के डिफेंस को भेदने की कोशिश की, लेकिन चीन की जोड़ी ने बेक तक अपनी बढ़त छह अंक की कर ली। भारतीय खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वी जोड़ी की गति से तालमेल नहीं बिठा सके और अंतर बढ़कर 7-14 हो गया। हे जी टिंग शानदार लय में नजर आ रहे थे और लगातार स्मैश लगा रहे थे। फिर चिराग की एक सर्विस गलती ने मुश्किलें और बढ़ा दीं, जिससे चीन की जोड़ी ने बढ़त 17-9 कर दी। इसके बाद चिराग का एक और शॉट बाहर जाने से चीन की जोड़ी ने पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया।

## दलीप ट्रॉफी फाइनल :

ईस्ट जोन ने पहले दिन बनाए 4 विकेट पर 385 रन

# ईस्ट जोन ने बनाया रनों का पहाड़, साउथ जोन हुआ परस्त

एजेंसी ►► चेन्नई

ईस्ट जोन ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शानदार शुरुआत की। इस टीम ने पहले दिन (रविवार) के खेल की समाप्ति तक 4 विकेट खोकर 385 रन बना लिए हैं।

फाइनल में कप्तान इशान किशन के शतक और तीन बल्लेबाजों के अर्धशतकों से ईस्ट जोन ने पहले दिन रनों का पहाड़ बना दिया। इशान ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10वां शतक बनाया और वे 111 रन बनाकर नाबाद हैं। वे अभी तक 14 चौके व एक छक्का लगा चुके हैं। उनके अलावा शिखर मोहन ने 85, अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 और कुमार कुशाग्र ने नाबाद 63 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा की कप्तानी वाली साउथ जोन की टीम के लिए चमा मिलिंद ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए।



वैभव ने 37 गेंद में बनाए 44 रन

## ईश्वरन और वैभव ने की 100 रन की साझेदारी

ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने तृफानी बैटिंग करते हुए 100 रन की साझेदारी की। इन्होंने ये रन 14.3 ओवर में जुटाए। सूर्यवंशी एक बार फिर से आक्रामक अंदाज में खेले। उन्होंने 37 गेंद में पांच चौकों व एक छक्के से 44 रन बनाए। वह अर्धशतक से छह रन पहले मिलिंद की गेंद पर कैच दे बैठे। उनके साथी ईश्वरन ने भी चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर की मौजूदगी में तेजी से रन जुटाए। उन्होंने 86 गेंद खेली और 10 चौके व एक छक्का लगाते हुए 72 रन बनाए. वे रन आउट हुए।

## किशन-कुशाग्र का शानदार खेल

अब इशान के साथ कीज पर कुमार कुशाग्र थे। इन्होंने भी साउथ जोन को कोई मौका नहीं दिया। दोनों ने मनमर्जी से रन जुटाए। किशन ने चौके के साथ शतक पूरा किया। उनके पिछले दो मैच रनों के लिहाज से अच्छे नहीं थे। मगर फाइनल में उन्होंने कप्तान पारी खेली। वहीं कुशाग्र ने भी कप्तान का अच्छा साथ देते हुए अर्धशतक पूरा कर लिया। इन दोनों के बीच 145 रन की अटूट शतकीय साझेदारी हो चुकी है। साउथ जोन की तरफ से मोहम्मद सिराज भी खेले लेकिन उनकी गेंदों पर काफी रन गए। उन्होंने 14 ओवर फेंके, जिनमें 96 रन बने। वे केवल एक मेडन डाल सके।

## स्वबर संक्षेप



## ओमेगा यूरोपीय मास्टर्स: 50वें स्थान पर रिकसके शुभंकर

क्रिस मोंटाना। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा तीसरे दौर में चार ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ ओमेगा यूरोपीय मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 50वें स्थान पर खिसक गए। शुरुआती दो दौर में 68 और 68 के प्रभावी प्रदर्शन के साथ शुभंकर दो दौर के बाद संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर थे। तीसरे दौर में शुभंकर ने दो बड़ी की लेकिन दो बोगी और दो डबल बोगी भी कर गए, जिससे उनका स्कोर चार ओवर रहा। इंग्लैंड के पॉल केसी ने सात अंडर 63 के स्कोर से कुल 16 अंडर के स्कोर के साथ तीन शॉट की बढ़त बना ली है।

# साई किशोर का इंग्लैंड में बवाल 18 में से 12 ओवर फेंके मेडन

एजेंसी ►► लंदन

भारत के बाएं हाथ के फिरकी बॉलर आर साई किशोर ने इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में धूम मचा दी। ग्लूसेस्टरशर की ओर से खेलते हुए डर्बीशर के खिलाफ उन्होंने 20 रन देकर 5 विकेट लिए। इससे उनकी टीम 213 रन से जीत हासिल करने में सफल रही। साई किशोर ने दूसरी पारी में बॉलिंग का आगाज किया और 18 ओवर फेंके। इनमें से 12 मेडन रहे। उन्होंने अपने पहले 8 ओवर में ही 5 विकेट चटका लिए थे और इसके लिए केवल छह रन दिए थे।

साई किशोर ने डर्बीशर के टॉप सात में से पांच बल्लेबाजों को आउट किया। उन्होंने हेरी केम, मैथ्यू मोंटगोमरी, वेन मेडसेन, एन्थुरिन डॉनलड और ब्रुक गेस्ट को वापस भेजा। इससे डर्बीशर की टीम का स्कोर 15 ओवर में छह विकेट पर 41 रन हो गया। साई किशोर के अलावा ऑलिवर प्राइस ने तीन और एड मिडलटन ने दो विकेट लिए। इससे डर्बीशर की टीम 38.5 ओवर में ही सिमट गई।



## साई ने बॉलिंग के साथ बैटिंग में दिया योगदान

साई किशोर ने मैच में कुल 7 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 23 ओवर में 59 रन खर्च कर दो बल्लेबाजों को आउट किया था। एक बार उन्होंने बैटिंग की और 20 रन का योगदान दिया। जेम्स बेसी के साथ सातवें विकेट के लिए उन्होंने 48 रन की अंखम साझेदारी की। ग्लूसेस्टरशर ने इस सीजन की दूसरी ही जीत हासिल की। वहीं डर्बीशर को सीजन की छठी शिकस्त झेलनी पड़ी।

## साई का काउंटी चैंपियनशिप कमाल प्रदर्शन

29 साल के साई किशोर ने इस सीजन ग्लूसेस्टरशर के लिए कमाल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने 23.07 की औसत से 13 विकेट लिए हैं। वहीं 34.5 की औसत से 69 रन भी बनाए हैं। साई किशोर की दलीप ट्रॉफी के लिए साउथ जोन में जगह वहीं हो गई थी। ऐसे में उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में खेलने का फैसला किया था। वे काफी समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार बढ़िया खेल दिखा रहे हैं।

## एएचएफ जूनियर एशिया कप महिला टीम ने मलेशिया को दी कठारी शिकस्त

मोकी। भारतीय महिला टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप के एलीट पूल मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त देकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर जीत के साथ अभियान शुरू करने वाली भारतीय टीम की ओर से मलेशिया के खिलाफ सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। भारत ने चार गोल मैदानी खेल से, पांच पेनल्टी कॉर्नर और दो पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए किए। पूजा साहू ने पहले ही मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। गत चैंपियन भारत ने अपना दबदबा कायम रखते हुए आठवें मिनट में बिनिमा धन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने एक और गोल कर दिया। पूर्णिमा ने दूसरे क्वार्टर में 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद हाफटाइम से पहले दो और गोल हुए। सुखवीर को ने 21वें मिनट और गोता यादव ने 28वें मिनट में गोल किया, जिससे भारत मध्यांतर तक 7-0 से आगे था। मलेशिया ने 38वें मिनट में नूर मोहम्मद के गोल से खाता खोला, लेकिन इसके बावजूद मुकाबले पर भारत का दबदबा बरकरार रहा।

एजेंसी ►►लंदन।

लौटारो मार्टिनेज ने आखिरी क्षणों में अपना दूसरा गोल दागकर इंटर मिलान को इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सीरी ए में नेपोली पर 3-2 की रोमांचक जीत दिलाई, तो वहीं एलिंग हालैंड के गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में कोवेंट्री को 1-0 से हराकर तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा।

इंटर मिलान की तरह सीरी ए के एक और रोमांचक मुकाबले में रोमा ने आखिरी मिनटों में दो गोल कर तीन मैचों में अपनी तीसरी जीत की। इंटर मिलान के



खिलाफ माटेओ पोलितानो और रामसमु होयलुंड ने 50वें और 53वें मिनट में गोल कर गत

चैंपियन नेपोली को 2-0 की बढ़त दिलाई। इसके तीन मिनट बाद मार्टिनेज ने गोल कर इंटर का



## यूएस ओपन

नाओमी ओसाका ने एलिस मर्टेंस को 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर चौथे दौर में जगह बना ली। 2 घंटे 38 मिनट चले मुकाबले के अंतिम अंक के बाद दो बार की चैंपियन ओसाका ने अपना सिर रैकेट पर रख लिया, मानो इस 13वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को खुद भी अपनी जीत पर यकीन नहीं हो रहा हो।

## मैं सचमुच हैरान हूं: नाओमी

ओसाका ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने यह मैच जीत लिया। मैं सचमुच हैरान हूँ कि मैं जीत गई। ओसाका की वापसी इंग्र जितनी मुश्किल तो नहीं थी, लेकिन वह निर्णायक सेट में 2-4 से पीछे थीं। उन्होंने कठिन मुकाबले के दौरान अपनी झुंझलाहट जाहिर करने के लिए माफी भी मांगी।

## फ्रिट्ज हुए उलटफेर का शिकार

पुरुषों में नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज हालांकि उलटफेर का शिकार होने से नहीं बच पाए। फ्रिट्ज ने दो सेट की बढ़त गंवा दी और 24वीं वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरेंडोलो से 3-6, 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हार गए। फ्रिट्ज ने कहा, मुझे नहीं पता कि आज मैंने ऐसा कैसे होने दिया। अमांडा अनिसिमोवा भी बाहर हो गई।फ्लावियो कोबोली को 28वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ब्लॉक्स ने चार सेट में हराया। इसके साथ ही पुरुष एकल ड्रॉ में शीर्ष 10 में से छह वरीय खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं।

# इंटर मियामी ने अटलांटा से खेला ड्रा, संन्यास लेने के बाद स्टार खिलाड़ी मैस्सी का दमदार खेल

एजेंसी ►► मियामी

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद भी अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने मैदान पर अपना प्रभाव छोड़ने का सिलसिला जारी रखा है।

मेस्सी ने इंटर मियामी के लिए दो गोल में मदद की लेकिन उनकी टीम अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ 2-2 से ड्रा पर रोक दी गई। अर्जेंटीना के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बाद यह मेस्सी का पहला मुकाबला था। इंटर मियामी की ओर से लुइस सुआरेज और कारसेमिरो ने गोल किए। टीम इंस्टन कॉर्नेस में दूसरे स्थान पर है और शीर्ष पर मौजूद नैशविले से 10



अंक पीछे है। नियमित सत्र में उसके 11 मुकाबले बाकी हैं। कारसेमिरो ने 32वें मिनट में मेस्सी की कॉर्नर

किक पर हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही मिनट बाद मिगुएल

अल्मिरो ने अटलांटा की ओर से बराबरी का गोल कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने तेलास्को सेगोविला की ओर शानदार लॉफ्टेड पास खेला।

सेगोविया ने गेंद सुआरेज की ओर बढ़ाई और उरुग्वे के स्टार ने मध्यांतर से ठीक पहले दाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर इस सत्र का अपना 12वां गोल दाग दिया। मैच के 87वें मिनट में ब्रेल एम्बोलो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर अटलांटा को फिर बराबरी दिला दी। इसके बाद इंटर मियामी ने आखिरी मिनटों में कई मौके बनाए, लेकिन अटलांटा ने उन्हें गोल में तब्दील नहीं होने दिया और मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ।

वापसी की शुरुआत की। मार्कस थुराम ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया। आखिरी पलों में मैनुअल अकांजी के प्रयास से गेंद मार्टिनेज तक पहुंची और उन्होंने नजदीक से गोल कर इंटर को जीत दिला दी। अटलांटा के खिलाफ मटियास सोले ने आखिरी समय में गोल और गोल ने मदद कर रोमा को 2-1 से जीत दिलाई। उन्होंने 90वें मिनट में मारियो हर्मोसो के गोल में मदद की, जिससे एडरसन के शुरुआती गोल की बराबरी हुई। इसके तीन मिनट बाद सोले ने खुद गोल कर रोमा को जीत दिला दी। लीग के एक अन्य मैच में टोरिनो ने फियोरेंटीना को उसके घरेलू मैदान पर 2-1 से हराया।

क्या कभी आपने सोचा  
 है कि सिर्फ किसी की  
 पीठ या शरीर खुजाने के  
 बदले कोई आपको  
 महीने के 14 से 15 लाख  
 रुपए दे सकता है?  
 सुनने में भले ही  
 अटपटा लगे, लेकिन  
 चीन के एक शख्स ने  
 इसी अजीबोगरीब  
 आइडिया को एक  
 तगड़ा बिजनेस बना  
 डाला है।

**70 प्रतिशत ग्राहक पुरुष हैं, जो दिनभर के काम के बाद यहां सुकून तलाशने आते हैं**

इस अनेखी सेवा के लिए ग्राहकों से 1 घंटे के 300 युआन यानी करीब 3,500 भारतीय रुपए वसूल जाते हैं। झांग का दावा है कि यह हर्षित खुजली मिटाने का जरिया नहीं है, बल्कि इससे लोगों को मानसिक तनाव कम करने और गहरी नींद लेने में मदद मिलती है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस दूकान पर आने वाले करीब 70 प्रतिशत ग्राहक पुरुष हैं, जो दिनभर के काम के बाद यहां सुकून तलाशने आते हैं।



झांग इससे परत ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया की दुनिया में हाथ आजमाने के लिए, लेकिन जब मनमथसिंह अपलगत नहीं मिले। फिर एक दिन सोशल मीडिया पर शर्ट ऑन करने के बाद ही उनकी जरूरत एक ऐसे वीडियो पर पड़ी, जिससे एक महिला अपने पति की पीठ खुजा रही थी। कमरे से खोजने में जब उन्होंने लोगों को यह कहते देखा कि अगर कोई हमारे लिए ऐसा करे तो हम पेसे देने के लिए हैं, तो उनका झगड़ाना चल पड़ा। उन्हें अपने बचपन के दिनों याद आ गए, जब उनके पिता उनकी पीठ खुजाया करते थे और उन्हें बहुत खुशमिन्न मिलता था। फिर यही था, इसी पुरानी याद को उन्होंने कर्मसिंह विजयनने में बदल दिया।

शुरूआत मैं लोगों को यह मजाक लगा होगा, लेकिन आज यह बिजनेस सोने का अंडा देने जैसा है। एक महीने के भीतर ही इन्डोनेशियन शेनज़ेन के दूसरे इलाके फुतियायन में अपनी दूसरी ब्रांच भी खोल दी। आज उनकी दुकानों से हर महीने करीब 15 लाख युआन यानी लगभग 14 से 15 लाख रुपए को शानदार कमाई हो रही है। दोनों आइटमलेट अब पूरी तरह से मुनाफे में चल रहे हैं।

पेरिस। फ्रांस के तट के पास समुद्र में 30 फीट की गहराई में डूबे एक प्राचीन शहर की खोज हुई है। यह खोज 'इल डी सीन' के तट के पास की गई है। यह पुरातत्वविदों को सतह से लगभग



खोजा। यवसे फौकवट ने बताया कि यह अति प्राचीन दीवार समुद्र के नीचे की घाटी के किनारे पर एक संदिग्ध रेखा की तरह दिख रही थी। उन्होंने कहा कि शक है कि ऐसे शायद प्रकृति ने नहीं बनाया है, बल्कि यह मानव निर्मित है। यमुना बांध है। माना जाता है कि इस दीवार के जो अवशेष बचे हैं, वे या तो मछली पकड़ने का बांध था या फिर बढ़ती लहरों से बचाव के लिए बनाया गया था। हालांकि, पृष्ठ करने के लिए इसकी जांच जारी है। रिपोर्टें हैं कि अनासुर, लाला डेटा का इस्तेमाल करके आगे की जांच में समुद्र की तलहटी में ग्यारह ऐसी संरचनाएं मिलीं, जिन्हें केवल ईसांनों ने ही बनाया हो सकता है। समुद्र के स्तर में बदलाव और जमीन के ऊपर-नीचे होने की दिखावा वाला डेटा से पता चलता कि ये संरचनाएं 5,800 और 5,300 बीसीई के बीच की हैं। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉटिकल आर्किऑलॉजी' में हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में उल्लेख है, 'इन जगहों तक पहुंचने में मुश्किलों (तेज-ज्वारीय धाराएं) ने तेज समुद्री कबाड़, समुद्री शैवाल की परत) के कारण, ब्रिटन के तट के गहरें इलाकों में बहुत कम पुरातत्त्व संर्धंधी काम हुआ है।'

**न्यूयार्क।** अमेरिका की मशहूर बीयर कंपनी पेब्ले ब्रूइंग कंपनी इन दिनों एकात्मिकता के आगे अपनी सुरक्षा छोड़ रही है। इस बार वो अपने देश में भी अपना खर्च कराना चाहती है।  
अनुकोखी चोरी की वजह से चर्चा में हैं। कंपनी की करीब 40,000 पाउंड यानी 18,144 लीडटर बीयर चोरी हो गईं। चोरी हुई बीयर में कंपनी की मशहूर पैबल-ए-ले ब्रूइंग कंपनी भी शामिल मिलेगी।  
मामला इतना बढ़ा है कि कंपनी ने अब सोशल मीडिया का सहारा ले लिया है। पेब्ले ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी को इस चोरी या गायब हुए बीयर के ट्रैक के बारे में कोई जानकारी मिले, तो वह कंपनी तक जरूर पहुंचाएं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह



कैलिफोर्निया के माटक्लेयर में हुई। पुलिस के अनुसार, एक शख्स नमस्तेबुजर-मुश के डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर फर्जी दस्तावेज पेस किए, इस्तालाज के कोही मामला-अनुस से बीयर की खेप सौंप दी गई। इसके बाद वही कार 40,000 पाउंड बीयर से लदा ट्रक लेकर रहा से निकल गया। वे बीयर सेना डिटगो भेजी जानी थी। चोरी हुई बीयर की कीमत करीब 25,000 डॉलर बता जा रही है। भारतीय रुपय में यह लगभग 20 लाख रुपय से ज्यादा बैठती है। मामला के बाद कंपनी ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार लेकिन सिरियस अपील की। कंपनी ने लिखा कि करीब 40,000 पाउंड बीयर चोरी हो गई है। कंपनी ने चोर को कहा कि उसे इस बात से कोई शिकायत नहीं है कि चोर अपने दोस्तों के सामने इतनी सारी पीबीआर होने का दिखावा करना चाहता है। लेकिन काश उसने यह बीयर सटी तरीके से हासिल की होती। इस के बाद कंपनी ने चोर को एक तरह का अल्टीमेटम भी दे दिया। पैस्ट्रन के काश बीयर से भरा ट्रक वापस करने के लिए 18 दिन और 44 मिनट है।

ओटावा। कनाडा में एक पाल  
कुत्ते ने इंसानों के ऊपर से सब  
ज्यादा बार कूदने का नया वि  
रिकॉर्ड बनाया है। इस डॉग का ना  
शार्डोने है, जिसने महज 60 सेकं



**नाक को सही  
(रिशेपिंग)करना**

आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं प  
नाथ, धमलरी चंड क्लर्स मॉल के पास, रा  
कॉल : 9827143060/88710030

Ajay

## मुशिकल टेस्ट

हेलसिंकी। भारत में शिक्षा व्यवस्था को लेकर अक्सर बहस होती रहती है। नर्सरी क्लास से ही बच्चों पर पढ़ाई और परीक्षा का दबाव डाल दिया जाता है। जैसे-जैसे कक्षा बढ़ती हैं, प्रेशर और बढ़त जाता है। बोर्ड परीक्षा कॉम्पिटिटिव एग्जाम और रटने संस्कृति कई बच्चों को तनाव में डाल देती है।

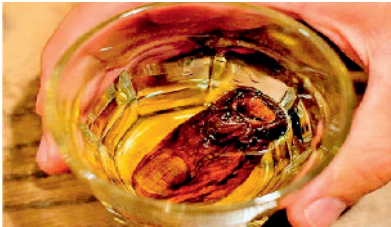
ऐसे में सोशल मीडिया पर फिनलैंड के एजुकेशन सिस्टम का वीडियो और जानकारी तैयार से वायरल हो रही है। लोग कह रहे हैं कि दुनिया का हर बच्चा ऐसे सिस्टम में पढ़ना चाहता है। यहां कोई भारी-भरकम पाठ्यपुस्तक नहीं, स्कूल के घंटे कम हैं और सिखाने का माहौल खुशहाल है। फिनलैंड का शिक्षा तंत्र दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सिस्टम में गिन जाता है। यहां की खास बात यह है कि बेसिक एजुकेशन यानी स्तर 1 से 9 तक कोई राष्ट्रीय क्तर की स्टैंडर्डाइज्ड परीक्षा नहीं होती।

यहां के स्कूलों में  
होमवर्क भी बहुत कम  
या लगभग ना के बराबर  
होता है, खासकर छोटी  
दक्षाओं में. शिक्षकों की  
व्यथा यहां सबसे  
अल्पवर्षी मानी जाती है।  
पर बनने के लिए मास्टर  
जरूरी है और ट्रेनिंग  
कठिन होती है। सिर्फ  
जुएड्स ही टीचिंग  
न में आ पाते हैं। टीचर्स

बाव्यों का आकलन उनके अपने टीयर करते हैं। निरंतर फीडबैक, वलास वर्क, प्रोजेक्ट और सैफ्टी असेसमेंट के जरिए प्रगति मापी जाती है। पहली बार बड़ा राष्ट्रीय टेस्ट में दृष्टिलेखन एजामन के रूप में उपरी रेजल्टेशन के पता में होता है, जब छात्र करीब 18-19 साल के हो जाते हैं। फ्रॉनलैड में स्कूल के चेंगे भी बहुत कम हैं। छोटि कक्षाओं (कक्षा 1-2) में हफ्ते में न्यूतनम 20 लेसन होते हैं। एक लेसन 45 मिनट का होता है और उसके बाद ब्रेक मिलता है। इस हिसाब से सैदिन में करीब 4 घंटे का स्कूल समय रहता है।

बड़े होने के साथ घटे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, लेकिन फिर भी कई देशों को तुलना में काफी कम होते हैं। बच्चों को खेलने, आराम करने और परिवार के साथ समय बिताने का भरपूर मौका मिलता है। फिनलैंड में औपचारिक स्कूलिंग 7 साल की उम्र से शुरू होती है। उससे पहले 6 साल की उम्र में एक साल का प्री-प्राइमरी एजुकेशन होता है, जिसमें खेल के माध्यम से सीखने पर जोर दिया जाता है। यहां रतने की बजाय समझने, क्रिएटिविटी और सामाजिक कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

**ओटावा।** क्या आप किसी ऐसे बार की कल्पना कर सकते हैं, जहां विश्व की एक शॉर्ट के साथ आपको बर्फ में जमा हुआ असली ईंसानी अंगुठा परोसा जाए? यहां के सॉरडफ सलून में अगर आप जाएंगे, तो आपको सॉरटो कॉकटेल नाम की एक खास ड्रिंक मिलेगी, जिसमें बर्फ से सुखाया गया असली ईंसानी अंगुठा तैरता हुआ नजर आता है।



हैरानी की बात यह है कि बार अब तक कम से कम 8 अलग-अलग इसानी अंगूठे इस्तेमाल कर चुका है। ये सभी अंगूठे लोगों द्वारा दिए गए थे। इनमें से ज्यादातर अंगूठे जो तो चोरी हो गए या फिर लोभ अजनबी में या जूनबुझकर गटक गए। पहली बार 1980 में एक खदान कर्मचारी ने 13वां पैरा मारते हुए गलती से उस अस्सल अंगूठे को निगल लिया था। इसके बाद बार प्रशासन ने कंडा नियम बनाया कि जो भी अंगूठा निगलेगा, उस पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।



# श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल

## 200 बिस्तरों का छत्तीसगढ़ का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी कैंसर हॉस्पिटल



**DR. AMBAR GARG**  
MBBS, MD, DrNB (Haematology)

### रक्त संबंधी रोग, कैंसर एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ

## उपलब्ध सुविधाएं

**सिकल सेल एनीमिया | थैलेसीमिया | ब्लड कैंसर  
(ल्यूकेमिया, लिम्फोमा आदि) | स्क्व एवं प्लेटलेट की कमी  
| बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा**

**आयुष्मान से रेडिएशन, कैंसर सर्जरी व कीमोथेरेपी की सुविधा**

**मोवा, रायपुर, छत्तीसगढ़**  
**फोन : 9399729216, 8319275208, 0771-4241000/01/02**

Divisa  
www.divisacore.com

Clinically Tested\*  
\*In laboratory and safety

# हर बार नया क्यों ? बार बार आज़माइश छोड़ियें

अपनी त्वचा पर प्रयोग करना बंद कीजिए, क्योंकि आपका आयुर्वेदिक रूप मंत्रा ही है सर्वश्रेष्ठ जोकि आपके चेहरे की त्वचा को भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है, साथ ही यह डार्क सर्कल्स एवं छाइयों को कम करके आपके चेहरे को उज्ज्वल रखने में भी मदद करता है।

- 1 Paraben Free
- 2 Alcohol Free
- 3 Steroids Free
- 4 Silicon Free
- 5 Mineral Oil Free

## शुद्ध आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से निर्मित

रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, बादाम इत्यादि आयुर्वेदिक जड़ी बूटियाँ चेहरे पर प्राकृतिक नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती हैं। यह कोई कॉस्मेटिक नहीं आयुर्वेदिक औषधि है।

Helpline : 87259 68686 | www.roopmantra.com